जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 77 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 17 जनवरी, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को अपनी राजनीतिक यात्रा का आगाज परबतसर (नागौर) से किया। परबतसर में किसान सम्मेलन के जरिये पायलट ने न केवल अपना शक्ति प्रदर्शन किया, बल्कि पेपर लीक प्रकरण में अपनी ही सरकार को जोरदार तरीके से घेरा भी। पायलट ने राजस्थान में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं पर कहा, जब भी खबर पढ़ता हूँ....''पेपर लीक हो गये, कभी भर्ती तो कभी परीक्षा कैंसिल हो गई...यह सब सुनकर मन बहुत आहत होता है। मैं कहना चाहता हूँ, सरकार को छोटे-मोटे दलालों के बजाय बड़े एवं प्रमुख सरगनाओं को पकड़ना चाहिये।'' पायलट ने किसानों की मांगों का भी जोरदार समर्थन किया, उन्होंने कहा कि, केन्द्र सरकार के समक्ष किसान आंदोलन के समय किसानों ने जो मांगें की थी उन्हें तत्काल पूरा किया जाये।

मु.मंत्री के लिये किसानों का मांग पत्र तैयार करना शुरु किया पायलट ने

नागौर में आयोजित विशाल रैली में उन्होंने जनता की मांग पर स्वीकृति प्राप्त की कि, एम.एस.पी.के लिये कानून बनाया जाये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। सचिन पायलट ने किसानों की विभिन्न मांगों पर राज्य सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है।

उन्होंने नागौर में अपनी विशाल जनसम्पर्क रैली में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लाने हेतु कानून बनाने की मांग की। सभा में मौजूद किसानों, व स्त्री-पुरुषों ने पायलट की मांग का जोरदार समर्थन किया।

वे 20 जनवरी तक सभाएं जारी रखेंगे। अभियान का समापन जयपुर में होगा जहां एक विशाल जनसभा में वे मुख्यमंत्री को किसानों के कल्याण की मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। गहलोत बजट प्रस्तुत करने की तैयारी में है पर सचिन पायलट की सभा में आ रही भारी भीड़ से उनके पसीने छूट रहे हैं, जो कि सचिन

- बीस तारीख तक चलने वाले इस जनसंपर्क अभियान में मुख्यतया जाट बाहुल्य क्षेत्र में कई बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित करेंगे पायलट।
- नागौर में जनता से पारित कराई दूसरी बड़ी मांग थी, पेपर लीक मामले में मुख्य बड़े-बड़े अपराधियों को पकड़ा जाये, न कि, छोटे-मोटे दलालों को ही।
- गहलोत मंत्रिमण्डल के सदस्य हेमाराम चौधरी ने भी नागौर रैली में मांग की कि, नये युवा नेताओं को पार्टी में, राजनीति में उपयुक्त स्थान मिलना चाहिये, जो फिलहाल नहीं होता दिख रहा।
- पायलट के करीबी नेता ने भी मांग की कि, समाज के विभिन्न वर्गों को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे पार्टी 21 सीटों पर न सिमट जाये, जैसा कि गहलोत की दूसरी पारी के बाद हुआ था, तथा पायलट कांग्रेसाध्यक्ष के रूप में पुनः पार्टी को सत्ता में लाने में सफल हुए थे।

को देखने व सुनने आ रही है। खासकर युवा तो सचिन के प्रति मंत्रमुग्ध से हैं।

इसके साथ सचिन पायलट ने सरकार पर और मुख्यमंत्री पर टीचर्स भर्ती में सामान्य ज्ञान पेपर लीक के लिए भी कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा, कभी पेपर लीक हो जाता है कभी परीक्षा रद्द हो जाती है यह बहुत दर्दनाक व तनाव परक है। पढ़ाई के लिए बच्चे और उनके माता पिता कितना कष्ट सहते हैं। परीक्षा की तैयारी के लिए बच्चे रात-दिन पढ़ाई करते हैं।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को चाहिए कि पेपर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''अमर्त्य सेन की, भारत से वाकफियत बहुत पुरानी व सतही है''

उन्होंने अचानक निद्रा से जागते हुए वक्तव्य दिया कि, ममता बनर्जी देश की प्र.मंत्री बनने के लिये सबसे उपयुक्त है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। बहुत पहले भारत छोड़ चुके एक भारतीय अमर्त्य सेन द्वारा भारत के प्रधानमंत्री के चयन को लेकर की गई टिप्पणी ने लोगो को हसंने और मंनोरजन करने का मौका दे दिया।

अमर्त्य सेन ऐसा महसूस करते हैं कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में भारत का प्रधानमंत्री बनने की विशिष्ट योग्यता है। बिना सोचे-समझे किए गए इस आकलन ने पलटवार की टिप्पणियों के एक बवंडर को जन्म दे दिया है।

ममता बनर्जी ने भी तुरन्त प्रभाव से प्रतिक्रिया दी कि ''अमर्त्य सेन जी द्वारा कही गई बात एक आदेश के समान है'' ऐसा जैसे कि यह आदेश उन्हें देश का अगला प्रधानमंत्री बनने के योग्य बनाता हो और इससे उनके पक्ष में पूरे देश के वोट पड़ जाए।

अमर्त्य सेन ने इतना समय पहले भारत छोड़ था कि उस समय को प्राचीन काल ही कहा जा सकता है। फिर भी ऐसे मकान मालिकों, जो किराए पर दिए हुए अपने मकानों को यदा-कदा देखने जाते रहते हैं, की तरह अमर्त्य सेन भारत के लिए सही मार्ग चुनने वाले व्यक्ति के रूप

- अर्मत्य सेन उस जमाने के व्यक्ति हैं, ''जो सदा से मानते आये हैं कि, बंगाल ही भारत है, और भारत बंगाल।''
- वे भूल गये कि, लगातार प्रयास के बावजूद, ममता बनर्जी की पार्टी एक विधायक नहीं बना पायी बंगाल से बाहर त्रिपुरा, गोवा में उनका प्रयास इतना विफल हुआ कि, उनके उम्मीदवार चुनाव ही नहीं हारे, बल्कि जमानत भी खो बैठे।
- अर्मत्य सेन इस तथ्य से भी वाकिफ नहीं लगते कि, ममता जी की पार्टी के नेता लगातार भ्रष्टाचार काण्डों में लिप्त पाये जा रहे हैं और इस बारे में ममता जी कभी-कबार कुछ भाषण देने के अलावा कुछ नहीं कर पाई हैं। अर्मत्य सेन का पुराना प्रतिपादित सिद्धांत था, भ्रष्टाचार, समाज की नैसर्गिक कार्यकुशलता में घुन लगा देता है।
- साथ ही, नये परिदृश्य में कई नये नेता जैसे केजरीवाल, चन्द्रशेखर राव राष्ट्रीय नेता बनने के लिए अधिक सशक्त दावेदार हैं, तथा ममता जी की पार्टी अभी तक प्रदेश स्तर की पार्टी की मान्यता ही प्राप्त कर पाई है चुनाव आयोग से।

में अब भी एक स्वामित्व अधिकार चाहते हैं सेन स्पष्ट रूप से भारत की वर्तमान वास्तविकताओं से वाकिफ नहीं हैं।

सेन इन छोटे तथ्यों पर गौर नहीं कर रहे हैं कि ममता बनर्जी बंगाल के बाहर एक भी सीट जीतने में विफल रही हैं। अमर्त्य सेन के लिए भारत बंगाल है और बंगाल ही भारत है। अत: बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में ममता में वह योग्यता है कि वह भारत की प्रधानमंत्री बन सकती है, बावजूद इसके कि अपने राज्य के बाहर उन्हें गिने-चुने वोट ही मिल सकते हैं।

अमर्त्य सेन की बकवास पर गंभीर राजनेताओं की तरफ से शायद ही कोई प्रतिक्रिया आई होगी, लेकिन प्रतिद्वंन्द्वी पार्टियों की तरफ से इसे लेकर विरोध और प्रशंसात्मक टिप्पणियां तुरंत आने लगी।

ममता बनर्जी बार-बार हाथ लगी विफलताओं और अपने राज्य के बाहर कोई उपस्थिति दर्ज ना करा सकने के कारण राजनीतिक रूप से विलुप्त हो गई हैं। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को एक राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता अब तक प्राप्त नहीं हुई तथा उनकी पार्टी विशुद्ध रूप से एक राज्य स्तरीय पार्टी है।

ममता का कभी एक नैशनल लैवल के नेता का थोड़ा बहुत कद था, लेकिन नए उभरे नेताओं के आगे बाद में उन्हें अपने हथियार डालने पड़े। आम आदमी पार्टी (आप) के केजरीवाल का कद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री का रोड शो

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को पार्लियामैंट स्ट्रीट पर 200 मीटर लम्बा रोड शो निकाला। पटेल चौक से एन.डी.एम.सी. कॉन्वैंशन सैंटर तक चले रोड शो के जरिए गुजरात विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान किया गया।

एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के पारम्परिक लोक गायकों व नर्तकों ने

- नई दिल्ली में पार्लियामैंट स्ट्रीट पर भाजपा ने प्रधानमंत्री का 200 मीटर लम्बा रोड शो किया। इसके बाद भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक शुरु हुई।

रोड शो में हिस्सा लिया। इसके बाद कॉन्वैंशन सैंटर पर भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक शुरु हुई। इसमें दस राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर चर्चा की जाएगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के कार्यकाल का अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव तक विस्तार किया जाएगा। उन राज्यों जिन राज्यों के विधानसभा चुनाव होने है उनके लिए रणनीति बनाई जाएगी। पार्टी के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने रविवार को एक बैठक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी ने महिला मतदाताओं पर फोकस किया कर्नाटक में

''गृह लक्ष्मी स्कीम'' के अन्तर्गत हर महिला के खाते में प्रति माह दो हजार रूपये जमा करने का वादा किया

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। हिमाचल प्रदेश में अपनी पार्टी के लिए तुफानी प्रचार करने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी कर्नाटक पहुंची और उन्होंने महिलाओं की एक लक्षित कल्याणकारी योजना को लेकर कांग्रेस का प्रचार किया। उन्होंने वादा किया कि महिलाओं को गृह लक्ष्मी योजना के तहत प्रतिमाह 2 हजार रूपए किए जाएंगे।

बैंग्लोर में आयोजित एक रैली में प्रियंका गांधी ने महिलाओं को सशक्त करने की कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहरायी। कर्नाटक में महिलाएं एक अति महत्वपूर्ण वोट बैंक हैं, जिन्हें सभी राजनीतिक पार्टियां लक्ष्य बना रही हैं। प्रियंका ने भी महिलाओं को लुभाते हुए इन्दिरा गांधी और सोनिया गांधी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को एल.पी.जी. की भारी कीमतों और मंहगे दैनिक खर्चो का भार उठाना होता है। ''गृह लक्ष्मी योजना इसी भार को साझा करने का एक प्रयास है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि 24 हजार रूपए सालाना राशि ''अनकंडीशनल यूनिवर्सल बेसिक इनकम'' के रूप में ''गृह लक्ष्मी योजना'' के तहत महिलाओं के खतों में सीधे जमा करायी जाएगी।

- दिनभर उनके कार्यक्रमों में भारी भीड़ देखकर कर्नाटक की भाजपा सरकार ने भी कई मनलुभावन महिला उन्मुख स्कीमों की घोषणा की, अखबारों व टी.वी. पर भारी विज्ञापन जारी करके
- जद (सैक्युलर) ने भी घोषणा की कि, अगर सत्ता में आयी तो एक महिला को उपमुख्यमंत्री जरूर बनायेगी।
- भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप चिपक सा गया है, तथा पार्टी के लिये, दुर्भाग्यपूर्ण दिन था सोमवार, क्योंकि कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन ने भी एक टेप जारी किया, जिसमें वे यह साबित करना चाहते थे कि, चित्रदुर्ग के विधायक को 90 लाख रूपये की रिश्वत दी है। टेप में ठेकेदार व भाजपा विधायक के बीच इस संदर्भ हुए वार्तालाप को साफ सुना जा सकता है।

मजे की बात यह है कि भाजपा, जिसने मुफ्त बिजली के वायदे की आलोचना की थी, ने भी इसी ताल से ताल मिलाई और महिला मतदाताओं को रिझाने की मुहि में कांग्रेस को मात देने की कोशिश की। मंगलवार को जिस दिन प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार के लिए बैंगलोर आई थी उस दिन भाजपा ने महिला उन्मुखी योजनाओं की लिस्ट बनाई और जोर-शोर से टी.वी. व अखबारों में उसके विज्ञापन प्रसारित किए। जनतादल (एस) ने तो सत्ता में आने पर महिला उप मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया।

संयोगवश प्रियंका के लिए भारी भी आई बिल्कुल वैसेही जैसे गत वर्ष राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में आई थी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख डी.के. शिवकुमार तय पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता 40 प्रतिशत कमीशन की सरकार से थक चुकी है और उसे उखाड़ फेंकना चाहती है।

प्रियंका जिस दिन बैंगलोर आई उसी दिन कर्नाटक सरकार ने मीडिया में महिला सशक्तीकरण पर सरकार की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए 28 विज्ञापन प्रसारित करवाए। इअब राज्य में महिलाओं के वोट हासिल करने के लिए रोचक जंग छिड़ गई हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा ने कहा कि, कांग्रेस वही वादे करती है जिन्हें पूरा कर सकती है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण दिया जहां चुनावों में पूरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया गया था जिसे नई सरकार ने लागू भी कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान सैन्य ताकत बनने की ओर अग्रसर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। चीन की बढ़ती ताकत और नॉथ कोरिया के लगातार मिसाइल परीक्षण से जापान अपनी ''मिलिटरी पैसिफिज्म'' की नीति

- चीन की बढ़ती ताकत और नॉर्थ कोरिया द्वारा लगातार मिसाइल टैस्ट करने से चिंतित जापान ने ''मिलिटरी पैसिफिज्म'' की नीति त्यागने का फैसला किया है।

पर पुनर्विचार की ओर बढ़ रहा है। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी है।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में जापान के प्रधानमंत्री फूमियो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पारदर्शिता की आड़ में सरकार एक बार फिर जजों की नियुक्ति में अपनी भूमिका चाहती है

केन्द्रीय विधि मंत्री रिजीजू ने सुप्रीम कोर्ट के मु.न्यायाधीश को पत्र लिखकर मांग की कि, कोलीजियम के सदस्यों में सरकार के प्रतिनिधि भी होने चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। उच्चतर न्यायपालिका की न्यायिक नियुक्तियों में अपना दखल स्थापित करने की अनवरत् कोशिश के तहत केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ को पत्र लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम, जो जजों की नियुक्ति करता है, में सरकार के प्रतिनिधि शामिल किए जाने चाहिए।

कानून मंत्री ने एक पत्र में लिखा था कि इससे पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ेगा। इस मुद्दे पर गत वर्ष से सरकार व न्यायपालिका के बीच बहस छिड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बैंच ने

- विधि मंत्री ने आगे यह भी लिखा कि, इससे कोलीजियम के कामकाज में पारदर्शिता व जवाबदेही आयेगी।
- यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, लगभग सात साल पहले, सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बैंच ने केन्द्रीय सरकार से अनुरोध किया था कि, मुख्य न्यायाधिश से सलाह मशविरा करके, कोलीजियम की कार्यप्रणाली में कुछ सुधार लाये। पर, सरकार ने, सुप्रीम कोर्ट की इस राय पर, कुछ भी ध्यान नहीं दिया, और अब अचानक विधि मंत्री के खत के मार्फत सरकारी नुमाइन्दों को कोलीजियम का सदस्य बनाने की मांग की है।
- विधि मंत्री रिजीजू का इस लय में यह भी सुझाव है कि, हाई कोर्ट के कोलीजियम में राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी होने चाहिये।
- कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस व आप ने, सुप्रीम कोर्ट का समर्थन किया है, कोलीजियम प्रणाली को ''डायल्यूट'' करने के प्रयास की निन्दा की है।

सात साल पहले उसे कहा था कि कोलीजियम सिस्टम के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त उपाय करने हेतु चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के साथ मिलकर केन्द्र मैमोरैंडम ऑफ प्रोसीजर (एम.ओ.जी.) पर चर्चा को अंतिम रुप दे पर तब केन्द्र ने इस पर आगे कदम नहीं बढ़ाया। अब रिजीजू का पत्र आया है जो पारदर्शिता के बहाने से की जा रही कोशिश है, जिसमें कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल जूडिशियल अपॉइन्टमैंट कमीशन को रद्द करते हुए जो सुझाव दिया था, यह उसी का फॉलोअप है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व कई अन्य की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री ने अपने न्यायपालिका पर पकड़ बनाने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने की कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

भारत प्रगति कर रहा है, तो भारतीय गरीब क्यों हो रहे हैं?

भारतीय जनता पार्टी के कई नेता, विशेषकर प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री अमित शाह, एकाधिक बार सार्वजनिक मंचो पर अपने उद्बोधनों में यह दावा कर चुके हैं कि भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढने वाली अर्थव्यवस्था है न केवल यह, वह यह बताते हुए भी नहीं थकते कि विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम भारत में है, विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति भारत में है, विश्व में सबसे अधिक टीके भारत में लगे हैं, गरीब कल्याण योजना विश्व की सबसे बड़ी भोजन उपलब्ध कराने वाली योजना है जिसके अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा गया। विश्व के नए यूनिकॉर्न में भारत का नंबर 1 है। ऐसे अनेक उदाहरण देते हुए यह सिद्ध करने का प्रयास किया जाता है कि भारत विश्व में नंबर एक है अर्थात वह विश्व गुरु कहलाने का अधिकारी तो बन ही गया है।

इन दावों की सच्चाई का विश्लेषण ईमानदारी से करना हम सबके लिए न केवल आवश्यक है अपितु महत्वपूर्ण भी है ।

पहला दावा किसानों से संबंधित है । किसान देश का सर्वाधिक बड़ा जन समुदाय है। प्रधानमंत्री जी ने 2016 में अनेक भाषणों में कहा था कि आगामी 5 वर्ष में भारतीय किसान की आय दोगुनी कर दी जाएगी। वास्तविकता यह है कि वर्ष 2021–22 में देश के किसान की आय, 2016 की आय के मुकाबले कम हो गई है। अर्थात गत 5 वर्षों में आय दोगुनी होना तो दूर रहा, वह पहले से भी कम हो गई है। यह आंकड़े खुद सरकार के हैं कि किसानों की आमदनी गत 5 वर्षों में 1.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से घटी है।

कामकाजी लोगों का सबसे बड़ा दूसरा समूह असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का है । इन लोगों की आय लेबर ब्यूरो के अनुसार, 2017 से 2022 के मध्य लगभग 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से कम हुई है।

ग्रामीण मजदूरों और किसानों को मिलाकर कुल श्रमिकों का 78 प्रतिशत होता है । इसका मतलब यह हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत व्यक्तियों की आय 5 साल में कम हुई है। इन लोगों का अर्थव्यवस्था में योगदान लगभग 53 प्रतिशत है।

सरकार के स्वयं के अनुसार 2 वर्ष तक गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा गया । इसका तात्पर्य ही है कि सरकार के अनुसार, देश में 80 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो अपने दो समय के भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित नहीं कर पाते । यह संख्या भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। कई दशकों से सरकार दावा करती रही है कि गरीबी पहले से कम हुई है और अब यह लगभग 20 प्रतिशत के आसपास है। यदि ऐसा है, तो फिर क्या मुफ्त राशन, उन लोगों को दिया गया जो गरीब नहीं है। संपन्नता की कुछ निशानियां खडी कर देने से देश विकसित नहीं कहलाएगा । यदि हम विकसित देशों की श्रेणी में सम्मिलित होना चाहते हैं तो हमें इस प्रकार के संकेतिक निर्माण कार्यों पर बल देने के बजाय, वास्तविक जीवन स्तर सुधारने पर ध्यान देना होगा। पटेल की मूर्ति, बड़ा स्टेडियम या वंदे भारत जैसी आरामदायक ट्रेन बनाकर उसे देश की प्रगति का प्रमाण मानने का फार्मूला छोडना होगा।

यदि कुछ गिने-चुने लोगों की संपत्ति बहुत अधिक बढ जाए तो प्रति व्यक्ति आय बढ जाएगी, किंतु उसे यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि देशवासियों की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। इसी प्रकार, यदि कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को कई प्रकार की राहत सरकार प्रदान करती है और वे सरकार का गुणगान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते, तो यह समझ लेना गलत होगा कि सामान्य व्यक्ति के लिए कोई भी काम प्रारंभ करना सुलभ हो गया है।

सरकार ने बहुत सडकें और रेलगाडियां बनाई हैं, किंतु सवाल यही है कि इनका उपयोग क्या गरीब लोग करने की स्थिति में हैं ? यदि नहीं, तो यह सब केवल कुछ प्रतिशत समृद्ध व्यक्तियों के ही काम आएंगे । कई बार तो यहां तक देखा गया कि अधिक अच्छी सडकें यदि वन क्षेत्रों के अंदर से निकाल दी जाती हैं, तो उससे लाभ आदिवासियों का नहीं होता, बल्कि उनका शोषण करना शहर के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए सरल हो जाता है। हमने बड़े-बड़े बांध बनाकर सिंचित क्षेत्र में वृद्धि अवश्य की, किंतु इसका विश्लेषण भी आवश्यक है जिन लोगों की भूमि बांध बनने से डूब में आती है, उनकी आर्थिक स्थिति में क्या सुधार हुआ है? खेती की जमीन से हाथ धोने के पश्चात, किसान विस्थापित की श्रेणी में आ जाते हैं और फिर अपना काम-धंधा छोडकर रोजगार की तलाश में लग जाते हैं। विभिन्न बांधों की लगभग एक जैसी कहानी है ।इसी प्रकार उद्योग के लिए भूमि अवाप्त की जाती है तो उसका मुआवजा कृषि दर पर दिया जाता है । उस पर उद्योग लगाने हेतु सरकार उद्योगपतियों से कई गुना अधिक राशि वसूल करती है। यही स्थिति नगर विकास प्राधिकरणों की है, होना तो यह चाहिए कि जिस उद्देश्य के लिए किसानों की भूमि अवाप्त की जाती है, वही दर किसानों को अवाप्ति के मुआवजे के रूप में दी जाए। सरकार ने कुछ वर्षों पूर्व अवाप्त भूमि का एक चौथाई, विकसित भूमि के रूप में देने का विकल्प किसानों को दिया है। अजीब लगता है कि जिस व्यक्ति की 10000 वर्ग मीटर भूमि अवाप्त होती है, उसे बदले में केवल 2000 वर्ग मीटर भूमि ही मिलती है, और यह भी कई बार उसे कई वर्षों के इंतजार के बाद मिलती है । भूमि अवाप्त करने वाली सरकार इस बात पर कभी विचार नहीं करती कि, इस लंबी अवधि में कैसे किसान परिवार अपना गुजारा करेंगे ? उपयुक्त नीतियों के अभाव में अधिकांश किसान नकद मुआवजा लेने हेतु विवश होते हैं।

भारत के लोगों ने दुनिया के अनेक देशों में जा कर अपना परचम फहराया है। यदि भारत में ही उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा दिया जाए तो इस प्रकार के लोग न केवल वापस लौट सकते हैं अपितु देश के सर्वांगीण विकास में भागीदार बन सकते हैं। ऐसा हुआ तो भारत समृद्ध लोगों का समृद्ध देश बनेगा और तब ही देश से गरीबी भी समाप्त होगी।

यह सर्वविदित तथ्य है कि जब मुआवजे की राशि किसानों को मिलती है और उनके पास खेती करने की भूमि नहीं रहती तो, उनके परिवार के सदस्य उस राशि को अनावश्यक गलत कार्यों पर खर्च करते हैं, फलस्वरुप वे बर्बादी की कगार पर पहुंच जाते हैं।

हम लगभग प्रतिदिन समाचार पढते हैं कि नगर विकास प्राधिकरणों के द्वारा कच्ची बस्तियों को केवल इस आधार पर उजाड दिया जाता है कि यहां बसने वाले अनधिकृत रूप से बसे हुए हैं। विश्लेषण इस बात का होना चाहिए कि गांव से आने वाले व्यक्तियों को उनकी क्षमता के आधार पर रहने लायक कोई घर उपलब्ध क्यों नहीं कराया जाता है? कोई भी परिवार, विभिन्न आधारभूत सुविधाओं से वंचित होने के बावजूद किसी अनाधिकृत बस्ती में रहने का विकल्प मजबूरी में ही चुनता है । कौन चाहता है कि उसके घर में शौचालय न हो, या बिजली की व्यवस्था नहीं हो ? सरकारी योजनाओं के मकान उसकी पहुंच से बाहर होते हैं, तभी वह इस प्रकार की भूमि पर झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहता है। कालांतर में ऐसे लोगों को यहां से उखाड दिया जाता है। ऐसा क्यों नहीं किया जाता कि सरकार आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे घर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाकर तैयार रखें एवं जैसे ही कोई परिवार अपने रोजगार हेतु शहर के एक में आए, तो उसे तत्काल रहने हेतु आवास आवंटित कर दिया जाय? रोजगार मिलने पर वह उपयुक्त मासिक किश्त चुकाने लायक बन सकता है ।

सरकारों ने शिक्षा और स्वास्थ्य से तो जैसे अपना पल्ला ही झाड लिया है । सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के लगभग आधे पद रिक्त हैं । इसी कारण वहां पढाई ना होने के फलस्वरूप गरीब घरों के बच्चे भी निजी विद्यालय में पढने हेतु बाध्य हैं। अभिभावकों की भी आकांक्षा तो होती ही है कि उनके बच्चे पढ लिखकर योग्य बनें और एक अच्छा जीवन जीने लायक बन सकें। आमदनी के कारण और बढती हुई महंगाई के कारण ऐसा करना अधिकांश के लिए संभव नहीं हो पाता। जब शिक्षा ही नहीं होगी तो फिर गरीबी के दुष्चक्र से इन परिवारों के बच्चे कैसे निकल पाएंगे?

सामान्य नागरिक पर सभी सत्ताधारी नेता यह आरोप लगाते हैं कि वे केवल सरकारी नौकरी के पीछे भागते हैं। इसका कारण ढूंढना अधिक कठिन नहीं है। 30-40 वर्ष स्थाई नौकरी और साथ ही 60 वर्ष की उम्र के बाद एक निश्चित धनराशि पेंशन के रूप में प्राप्त होना, सरकारी नौकरी के प्रति आकर्षण का मुख्य कारण है। निजी काम करने वाले या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले, काम करने की आयु निकलने के पश्चात भी कहीं ना कहीं काम करने हेतु मजबूर होते हैं, क्योंकि सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था के अभाव में उनका बुढापा नहीं कटता। हमारे यहां इतने वृद्धाश्रम भी संचालित नहीं हैं कि वहां जाकर एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति गरिमा पूर्ण जीवन बिता सके। यदि सरकार को सामाजिक नौकरियों के प्रति आकर्षण को कम करना है तो उसे समुचित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। आज भी लोगों को खुले में शौच करना पड़े, पीने योग्य पानी सुलभ नहीं हो और सार्वजनिक परिवहन के पर्याप्त साधन ना हो, खुद ऐसा मकान ना हो जिसे घर कहा जा सके, तो हम यह नहीं कह सकते कि गरीबी समाप्त हो गई है।

यह सही है कि गत कुछ वर्षों में विभिन्न कार्यों हेतु डिजिटल व्यवस्था बहुत बढ़ी है, किंतु इसका लाभ लेने हेतु लोगों को सक्षम बनाने का काम भी तो करना होगा। इसके अभाव में देश तो आगे बढेगा और इसके लिए नेतागण अपनी पीठ भी थपथपा लेंगे, किंतु वास्तव में जो अधिसंख्य जनसंख्या है वह इसका भलीभांति उपयोग करने में समर्थ नहीं हो पाएगी। वह एक प्रकार से गरीबी के ही दुष्चक्र में फंसी रहेगी।

सरकारी विभाग भी एक साधारण गरीब व्यक्ति से गरिमा पूर्ण,संवेदनशील व्यवहार सामान्यतया नहीं करते और इसी कारण मजबूरी वश उन्हें अपना काम कराने हेतु किसी न किसी बिचौलिए की सहायता लेनी होती है। यह जहां सरकारी कर्मचारियों-अधिकारियों के लिए आय बढाने का साधन हो सकता है, किंतु गरीब व्यक्ति को बड़ी मुश्किल से कमाए गए पैसे को रिश्वत या सुविधा शुल्क के रूप में देने हेतु बाध्य होना पडता है। जिस देश में छोटे-छोटे काम कराने के लिए या तो बहुत परेशान होना पड़े, उसे तेजी से बढने वाला कहना, उसके लिए घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होता है ।

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि देश के 140 करोड लोगों में से प्रत्येक में एक विशिष्ट प्रतिभा है, जिसे उभारने की और उसे पूरी क्षमता के अनुसार देश के लिए उपयोग में लाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। ऐसा करने हेतु एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को उसकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढने का और जीवन को बेहतर बनाने का पूरा अवसर मिले। यह वर्तमान व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाए बिना संभव नहीं है ।

एक और काम जो सरकार को करना होगा। वह यहां के लोगों को अपनी प्रतिभा और योग्यता के अनुसार काम आगे बढाने के लिए प्रोत्साहित करे ताकि उसकी सृजनशीलता और ऊर्जा केवल सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने में नष्ट न हो । भारत के लोगों ने दुनिया के अनेक देशों में जा कर अपना परचम फहराया है। यदि भारत में ही उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा दिया जाए तो इस प्रकार के लोग न केवल वापस लौट सकते हैं अपितु देश के सर्वांगीण विकास में भागीदार बन सकते हैं। ऐसा हुआ तो भारत समृद्ध लोगों का समृद्ध देश बनेगा और तब ही देश से गरीबी भी समाप्त होगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

चुनाव जीतने के लिए आयकर में राहत का मास्टर स्ट्रोक

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

मोदी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के हर संभव प्रयास में अभी से जूट गई है। इसके प्रथम चरण में आगामी एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में टैक्सपेयर्स को बड़ी खुशखबर मिलने की उम्मीद की जा रही है।

आयकर की सीमा में आखिरी बार 2014 में बदलाव किया गया था, तब 2 लाख की लिमिट को बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये किया गया था। पिछले 9 वर्षों में आयकर छूट का दायरा नहीं बढ़ाया गया है। हर बजट में ज्यादा आयकर छूट मिलने की उम्मीद इनकम टैक्स जमा करने वालों को होती है लेकिन मोदी सरकार ने अभी तक यह उम्मीद पूरी नहीं की है। अब मास्टर स्ट्रोक लगाने का यह सुनहरा मौका है। जीएसटी कलेक्शन भी डेढ़ लाख करोड़ को पार कर गया है।

आर्थिक मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। ऐसे में मोदी सरकार आयकर में राहत प्रदान कर अगला चुनाव जीतने के अपने मनसूबे को अमली जमा पहना सकती है। इस साल यह अंतिम पूर्ण बजट होगा । अगर ऐसा होता है तो देश के मिडिल क्लास लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्र की मोदी सरकार 2023-24 के बजट में आयकर छूट की सीमा मौजूदा 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये सालाना कर सकती है। मोदी सरकार के इस कार्यकाल का यह आखिरी पूर्ण बजट होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से 1 फरवरी 2023 को आम बजट पेश किया जाएगा। इस बजट से सबसे ज्यादा उम्मीदें किसानों और नौकरीपेशा को हैं। फिलहाल ढाई लाख रुपये सालाना तक कमाने वाले शख्स को किसी तरह का टैक्स नहीं देना होता। करोड़ों नौकरीपेशा की तरफ से इसे बढ़ाने की मांग पिछले बजट की तरह इस बार भी की जा रही है।

हालांकि सेक्शन के तहत दी गई छूट से ढाई लाख से 5 लाख रुपये तक की टैक्सेबल इनकम पर टैक्स रिबेट मिल जाती है। नियमानुसार ढाई लाख से ज्यादा की इनकम पर आयकर देने का प्रावधान है लेकिन ढाई से 5 लाख रुपये तक की इनकम पर बनने वाली टैक्स की राशि में वित्त मंत्रालय की तरफ से सेक्शन 87 के तहत छूट दे दी जाती है। इस तरह 5 लाख तक की आय टैक्स फ्री हो जाती है लेकिन यदि आप आपकी आय 5 लाख से ज्यादा है तो आपको ढाई लाख से ऊपर की पूरी आय पर टैक्स पे करना होता है।

- **जीएसटी कलेक्शन डेढ़ लाख करोड़ को पार करने व आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर के बाद यह मोदी सरकार के लिए मौका है**

एसोसिएट चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की तरफ से सरकार को आयकर छूट सीमा को ढाई लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किये जाने का प्रस्ताव गया है। वित्त मंत्री की तरफ से यह मांग मानी जाती है तो आपके हाथ में पहले से ज्यादा पैसा आ सकेगा। एसोचैम ने वित्त मंत्रालय को भेजी गई सिफारिश में कहा है कि आयकर छूट की लिमिट को बढाकर कम से कम 5 लाख रुपये करना चाहिए। इससे आम आदमी के हाथों में खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचेगा। इससे आम आदमी की खरीदने की क्षमता बढेगी और बाजार में तेजी आएगी।

वित्त मंत्रालय की तरफ से यदि आयकर पर किसी भी प्रकार का फैसला किया जाता है तो वित्त मंत्री इस पर 1 फरवरी 2023 को बजट पेश करने के दौरान ही ऐलान करेंगी। यह सब कुछ प्रधानमंत्री पर निर्भर है। भाजपा कार्यकर्त्ता भी चाहते है मोदी लोकप्रिय बजट प्रस्तुत कर जनता को राहत दें तभी अगला चुनाव जीतने में सहूलियत होंगी।

डॉ. मोनिका ओझा खत्री
विभागाध्यक्ष पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर

केन्द्र सरकार तक "मिशन कोटड़ा" की सफलता की कहानी पहुंची

'सुशासन के लिए नवाचार' श्रृंखला के तहत कलेक्टर चला रहे 'मिशन कोटड़ा'

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'सुशासन के लिए नवाचार' श्रृंखला के तहत जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा की पहल पर उदयपुर में प्रारंभ किए गए 'मिशन कोटड़ा' की सफलता की कहानी केन्द्र सरकार तक पहुंच गई है और अब पीएम के निर्देशों पर नीति आयोग द्वारा इसी तर्ज पर विकास मानकों को बढ़ावा देने के लिए 'एस्पीरेशनल ब्लॉक (आकांक्षी ब्लॉक) प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है।

मिशन कोटड़ा के तहत पंचायत समिति में हर्बल गुलाल पैकेट्स का कमिश्नर और जिला कलेक्टर ने विमोचन किया।

जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बताया कि गत दिनों 'मिशन कोटड़ा' के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजी गई थी। इसका अध्ययन नीति आयोग द्वारा किया गया था और इस पर हाल ही में आयोग द्वारा 'एस्पीरेशनल ब्लॉक' प्रोगाम शुरू किया गया है। कार्यक्रम के तहत संबंधित ब्लॉक्स के स्वास्थ्य, पोषण, वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे सहित अन्य क्षेत्रों में प्रगति के लिए प्रयास किए जाएंगे।

जिले में चलाए जा रहे 'मिशन कोटड़ा' की सफलता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास मानकों को बढ़ावा देने के लिए देशभर के चयनित 500 ब्लॉक्स में एस्पीरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) प्रारंभ किया। प्रदेश की मुख्य सचिव उषा शर्मा द्वारा भी 'मिशन कोटड़ा' की सफलता के बाद जिले में डेटा बेस के आधार पर चयनित 5 ब्लॉक्स में से लसाडिया व कोटड़ा का चयन किया है ।

पीएम के एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम का मकसद विभिन्न विकास मानकों पर पिछड़े ब्लॉकों को विशिष्ट प्रयासों के माध्यम से विकास की मूलधारा में जोड़ना है। इस प्रोग्राम का शुभारंभ मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान होगा।

इस कार्यक्रम के तहत, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रदर्शन के आधार पर तिमाही रैंकिंग के लिए राज्यों के 500 ब्लॉकों की पहचान की गई है। इसके तहत राज्य और नीति आयोग रैंकिंग संकेतक स्थापित करने के लिए मिलकर काम करेंगे, निजी क्षेत्र भी इन ब्लॉकों के विकास में योगदान करने में सक्षम होंगे। एबीपी के ब्लॉकों का चयन अन्य जिलों की तुलना में विकास में निरंतर पिछड़ने के कारण किया गया था।

कलेक्टर मीणा ने बताया कि एबीपी की रैंकिंग क्षेत्र के 5 प्रमुख सामाजिक-आर्थिक विषयों पर आधारित है। इसके तहत 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में किये गए वृद्धिशील सुधारों के आधार पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

- **जांच रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद नीति आयोग ने 'एस्पीरेशनल ब्लॉक' प्रोगाम शुरू किया**
- **'मिशन कोटड़ा' की सफलता से प्रभावित होकर पीएम ने देश के चयनित 500 ब्लॉक्स में एस्पीरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम प्रारंभ किया**

क्या शाकाहारी भोजन बेहतर होता है?

डॉ. रामावतार शर्मा

आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति ने हम लोगों का शारीरिक श्रम काफी कम कर दिया है जिसके कारण पूरे विश्व में भोजन को ले कर कई तरह के बदलावों की चर्चा एवम् शोध होने लगे हैं। एक बड़े परिवर्तन के तौर पर शाकाहारी भोजन वापसी करने लगा है। खासकर पश्चिमी देशों में काफी लोग फल, सब्जियों और अनाज को ही अपना भोजन बनाने लगे हैं। वनस्पतियों पर आधारित भोजन अब बड़े स्तर पर लोकप्रिय होता जा रहा है। ऐसा माना जाने लगा है कि रहन सहन में बदलाव के कारण शाकाहारी भोजन हृदय रोग और डायबिटीज आदि को नियंत्रण में रखने में ज्यादा सहायक होता है। ध्यान रहे यहां फायदेमंद शाकाहारी भोजन का मतलब उस भोजन से है जिसमें पेड़ पौधे या उनका उत्पाद शामिल हो।

इसके अलावा यह मान लेना कि हर शाकाहारी भोजन अमृत जैसा होता है उचित नहीं है, और फिर उसका मनमाना उपयोग भी हानिकारक होता है। इसीलिए जानकार लोग सदा संतुलन और मात्रा की बात करते हैं। अत्यधिक मात्रा में तो पानी पीने से भी मृत्यु हो जाती है। इसलिए आजकल जो राय मिलती रहती है कि पानी खूब पिएं जैसी बात को भी पहले अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि खूब की सीमा क्या होती है। शाकाहारी भोजन में भी एक अति शाकाहारी भोजन पद्धति आ गई है जिसे वेगन भोजन कहा जाता है।

वेगन लोग जानवरों का दूध और अन्य पदार्थ तक का सेवन नहीं करते हैं। उनके अनुसार पशु की मां के दूध पर सिर्फ उसके बच्चे का अधिकार होता है और यदि आदमी उस दूध का उपयोग करता है तो यह प्राकृतिक न्याय के विरोध में है। इसी तरह कुछ शाकाहारी लोग अंडे को भी शाकाहारी मानते हैं और कुछ मछली को शाकाहारी भोजन का ही हिस्सा मानते हैं। इस तरह से हम देखते हैं कि शाकाहारी भोजन और वनस्पति आधारित भोजन में भी अंतर होता है।

चूंकि विश्व का बहुमत मांसाहारी है तो क्या यह संभव है कि जब सभी लोग वनस्पति आधारित भोजन पर निर्भर करने लगेंगे तो सारे लोग स्वस्थ हो जायेंगे? शोध बताते हैं कि ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। पहले तो यह कि यदि धरती के शत प्रतिशत लोग शाकाहारी हो जाएं तो अनाज और फल-सब्जियों की भयंकर कमी हो जाएगी और उनके भाव आज के स्तर से दस गुना से भी ज्यादा हो सकते हैं। दूसरे, वनस्पति आधारित भोजन में भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक जंक पदार्थों की कमी नहीं है। अति संसाधित (अल्ट्रा प्रोसेस्ड) भोजन जिनमें अधिक कैलोरी, चीनी, नमक और चर्बी होती है पौष्टिकता की दृष्टि से किसी काम के नहीं होते हैं।

ऐसे ज्यादातर उत्पादों में व्यावसायिक स्तर के एडेटिव होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इन उत्पादों का नाम लेते ही वे सब वस्तुएं सामने आने लगती हैं जिनका घरों में उपयोग सामान्य-सी बात है। ब्रेड (डबल रोटी), पेस्ट्री, केक, कुकीज, सॉफ्ट ड्रिंक्स, कितने ही तरह के स्नैक्स जिन्हे हम बच्चों को हर समय खाते देखते हैं। डेयरी का फ्लेवर्ड दही और दूध स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होते हैं।

इसी तरह सुबह का बाजार का पका-पकाया नाश्ता, एनर्जी बार, इंस्टेंट सॉसेज और सूप, नूडल्स और आइसक्रीम का नियमित सेवन शाकाहारी हो कर भी हल्का और स्वास्थ्य वर्धक नहीं है। ये सब वस्तुएं चूंकि सुविधाजनक होती हैं इसलिए इनका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा ये सब खाद्य पदार्थ पैकेजिंग में आते हैं तो माइक्रो प्लास्टिक और रसायनों का दुष्प्रभाव भी भोजन पर पड़ता है।

अधिकतर पेड़ पौधों पर आधारित भोजन पर्यावरण पोषक, जल्द पाचक और हल्का होता है, यह गर्भावस्था के दौरान भी सुरक्षित होता है। बुजुर्ग लोगों में आसानी से पच कर उम्र के चंद अतिरिक्त वर्ष भी जोड़ सकता है। पर विटामिन बी 12 और विटामिन डी अलग से लेते रहने चाहिए। अध्ययन तो इंगित कर रहे हैं कि बदलती जीवनशैली में भोजन मुख्य रूप में वनस्पति आधारित होना चाहिए परंतु अन्य प्रकार के भोजन के बारे में दुष्प्रचार एक प्रोपेगंडा का हिस्सा भी हो सकता है। भोजन के बारे में स्थानीय और सांकृतिक बातों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता है। वैसे स्वास्थ्य के लिए भोजन मुख्यतया वनस्पति आधारित रहे तो बेहतर होगा।

- **डेयरी का फ्लेवर्ड दही और दूध स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होते हैं**
- **पैकेजिंग खाद्य पदार्थों में माइक्रो प्लास्टिक और रसायनों का दुष्प्रभाव भी भोजन पर पड़ता है**

डॉ. रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

राशिफल मंगलवार 17 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, विशाख नक्षत्र सांय 6:46 तक, शूल योग प्रातः 8:34 तक, विष्टि करण सांय 6:06 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:00 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग सांय 6:46 तक है। भद्रा प्रातः 6:43 से सांय 6:06 तक है। महापात योग दिन 2:07 से सांय 7:46 तक है। शनि कुम्भ राशि में सांय 6:04 पर प्रवेश करेगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:59 से 11:18 तक, लाभ-अमृत 11:15 से 1:55 तक, शुभ 3:14 से 4:33 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम भाव में चन्द्रमा शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

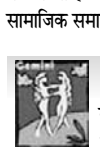

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी।

सार-समाचार

सौर वृक्ष का उद्घाटन

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संगठक कॉलेज सीटीएई के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में सौर वृक्ष का उद्घाटन कुलपति प्रो. अजीत कुमार कर्नाटक द्वारा किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ विक्रमादित्य दवे ने इस वृक्ष का निर्माण किया है। इसका नाम नवनिधि अष्ट सिद्धि रखा गया है। इसके पीछे कई वैज्ञानिक कारण बताएं। इस सौर वृक्ष में 9 पैनल (नव) का प्रयोग हुआ है एवं यह वृक्ष आठ (अष्ट) प्रकार के विशिष्ट कार्य करता है, जो कृषि कार्य में बहुत उपयोगी है। यह वृक्ष जो 2.25 किलोवाट क्षमता का है उसकी लागत डेढ़ लाख आई है। वही कुलपति कर्नाटक ने दो सप्ताह चलने वाले अटल कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया। कुलपति ने बताया कि विद्युत अभियांत्रिकी विभाग पिछले 5 साल से अटल कार्यक्रम आयोजित करवा रहा है और एक बार फिर एक नए विषय सौर फोटोवोल्टिक एवं ई-वाहन को इस कार्यक्रम का विषय बनाया। अधिष्ठाता डॉ पी के सिंह ने बताया कि अटल कार्यक्रम के तहत प्रतिभागी नवाचार कर विभाग एवं कॉलेज को एक उत्पाद देने का प्रयास करें। अटल कार्यक्रम के समन्वयक डॉ विक्रमादित्य दवे ने बताया कि इस कार्यक्रम में 50 प्रतिभागी राजस्थान के विभिन्न तकनीकी कॉलेजों से भाग ले रहे हैं जो पहला सप्ताह ऑनलाइन तरीके से सैद्धांतिक विषय को जानेंगे और दूसरे सप्ताह ऑफलाइन प्रायोगिक प्रशिक्षण द्वारा ज्ञान प्राप्त करेंगे। कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय कैलेंडर एवं डॉ विक्रमादित्य दवे द्वारा लिखित पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

रेडक्रॉस सोसायटी ने कंबल बांटे

उदयपुर, (कासं)।भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा द्वारा सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत सोमवार से जरूरतमंदों को कंबल वितरण कार्य का शुभारंभ किया। सोसायटी के अध्यक्ष व जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने महाराणा भूपाल चिकित्सालय परिसर में जरुरतमंदो को कंबल वितरण के इस कार्य का विधिवत शुभारंभ किया और कहा कि कड़ाके की इस ठंड में कंबल वितरण का कार्य सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने सोसायटी के सेवा प्रकल्पों की सराहना की और इसके विस्तार का आव्हान किया। इस मौके पर चेयरमैन गजेंद्र भंसाली ने बताया कि हमारी हिंदू संस्कृति में भी प्रतिवर्ष मकर संक्रांति पर्व पर या इससे पूर्व वस्त्र दान एवं अन्न दान करने की परम्परा रही है। मानद सचिव सुनील गांग ने बताया कि कन्वीनर धीरज छाजेड़ के नेतृत्व में इस सेवा प्रकल्प के शुभारंभ दौरान कोषाध्यक्ष राकेश बापना, गौरव सुराणा, संजय जैन, दलपत जैन, महेंद्र सिंह की टीम के साथ अनेक सदस्यों ने शहर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण करते हुए अर्धरात्रि तक में सड़क किनारे सोए हुए और ठंड से ठिठुरते हुए लोगों को 400 से ज्यादा कंबल बांटी गई। इस मौके पर समाजसेवी पीयूष कच्छावा भी मौजूद थे।

इंदिरा रसोई का किया निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने सोमवार देर शाम एमबी चिकित्सालय में इंदिरा रसोई का औचक निरीक्षण किया और यहां पर दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने रसोई में खाना खा रहे रोगियों के परिजनों से मुलाकात की और उनसे खाने की गुणवत्ता और इसके लिए दी जा रही निर्धारित राशि के बारे में पूछा। लाभार्थियों ने खाने की पूर्ण गुणवत्ता की जानकारी दी और कहा कि रसोई में निर्धारित आठ रूपये ही लिए जा रहे हैं। कलक्टर ने इस दौरान एक परिजन द्वारा रोगी को इमरजेंसी में भर्ती करवाने के आग्रह पर मौके से ही पीएमओ को तत्काल रोगी को इमरजेंसी में भर्ती करने के निर्देश भी दिए। कलक्टर को अपने बीच आया देख रोगियों के परिजनों ने अपनी अपनी समस्याएं और रोगियों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस दौरान समाजसेवी पीयूष कच्छावा भी मौजूद रहे।

मेवाड़ा प्रजापति प्रीमियर लीग शुरू

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ा प्रजापत समाज सेवा संस्थान कैलाशपुरी के तत्वाधान में एमबी क्रिकेट ग्राउंड पर मेवाड़ा प्रजापति प्रीमियर लीग 2023 का शुभारंभ हुआ।खेल मंत्री विजय प्रजापत ने बताया कि कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी अतिथियों एवं भामाशाहो का क्रिकेट आयोजन समिति के युवाओं द्वारा सम्मान किया गया। संस्थान अध्यक्ष प्रकाश प्रजापत ने खेल के माध्यम से सभी युवाओं के एकजुट होने का आव्हान किया। संस्थान संरक्षक बंशीलाल कुम्हार ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलते हुए आयोजन को सफल बनाने को कहा। पहले दिन 3 मैच खेले गए। पहले मैच में हिंद क्लब ने रॉयल ड्रीमर्स को 35 रनों से हराया। दूसरे मैच में कृष्णा क्लब ने मेवाड़ क्लब को 8 विकेट से हराया और तीसरे मैच में प्रताप क्लब ने हंसराज क्लब को 5 विकेट से हराया।

नई कार्यकारिणी घोषित

उदयपुर, (कासं)। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की उदयपुर चैप्टर की नई कार्यकारिणी 2023 का चयन किया गया। चैप्टर के अध्यक्ष सीएस रौनक झुठावत ने बताया कि प्रतिवर्ष जनवरी में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया जाता है। इस वर्ष सर्वसहमति से अध्यक्ष पद के लिए महिपाल सिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष पुष्करलाल जाट, सचिव सूर्य प्रकाश मोड़, कोषाध्यक्ष शैलेश जैन और कमिटी के अन्य सदस्य भानुप्रिया मेहता शैलेश जैन, रोहिणी अवचार, अर्पित कालानी को निर्वाचित किया।

युवक ने फांसी लगाई

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूरजपोल थाना क्षैत्र दीवानशाह कॉलोनी सूरजपोल निवासी जफर खां (23) पुत्र साबीर खां ने सोमवार सवेरे अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। गत दिनों जफर की मां का कोरोना से निधन हो गया था एवं कुछ समय बाद हादसे में पिता की भी मौत हो गई।

लेकसिटी में सीजन की सबसे ठंडी रात, धूजणी छूटी

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में ठंडी हवाओं के साथ ठंड भी अब बर्फीली हो गई है। उत्तरायण की इस ठंड से धूजणी छूटा दी है वहीं रविवार की रात का तापमान और गिरकर इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं उदयपुर शहर के मैदानी इलाको के लिए सीटीएई परिसर में तापमान -4.6 डिग्री दर्ज किया गया।

■ **सीटीएई कॉलेज में तापमान माईनस 4.6 दर्ज हुआ**

उदयपुर में बर्फीली हवाओं के साथ पड़ रही ठंड से केशवनगर क्षेत्र में गाड़ी पर जमी बर्फ की परत।

शीत लहर लेकसिटी में कड़ाके की सर्दी फिर से ले आई है। दिन के तापमान में सोमवार को बढोतरी तो हुई लेकिन बर्फीली हवाएं दिनभर ऊनी वस्त्रों को पहनने को मजबूर कर रही है वहीं अलसुबह शहर के मैदानी इलाके गुलाबबाग, सीटीएई परिसर व शहरी क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों के खेतों में चने की फसलों पर बर्फ की परत जम गई है। रविवार की रात का तापमान शनिवार की तुलना में और गिर गया। शनिवार को न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री था जो 0.7 डिग्री और गिरकर 2 डिग्री पर पहुंच गया। रविवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही।

मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो रविवार को क्रमशः 19.2 व 2.7 था। बर्फीली ठंड से बचाव के लिए दिनभर कार्यालयों व घरों में लोग हीटर का सहारा लिए नजर आए वहीं दुकानदार शाम होते ही अलाव के सहारे दुकानों के बाहर ठंड से निजात की जुगत में लगे रहे।

इधर, मौसम विज्ञानियों के अनुसार कड़ाके की ठंड 20 जनवरी तक बनी रहेगी। हवाओं के थमने के बाद ही सर्दी का अहसास कम होगा। तेज ठंड के साथ ही शहर के ऊनी बाजारों में गर्म वस्त्रों की डिमांड भी बढ गई है। शहर के समोर बाग स्थित तिब्बतियन मार्केट व टाउनहॉल में वूलन मार्केट में भी इन दिनों लोग ऊनी वस्त्र खरीदते दिखाई दे रहे है वहीं सर्दी के खुराक के रूप में इन दिनों बाजारों में गजक, गुड पपड़ी, तिल आदि की बिक्री भी बढ़ गई है।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जागरूकता रथ रवाना

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के जागरूकता रथ को एडीएम प्रशासन ने रवाना किया।

उदयपुर, (कासं)। बेटी बचाओ-बेटी पढाओ योजनान्तर्गत जागरूकता रथ को अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ओ.पी.बुनकर ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर जिले के विभिन्न ब्लॉक्स के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर एडीएम ने कहा कि जिले में रथ के माध्यम से अधिकाधिक बालिकाओं को योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए इनके प्रावधानों की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक देना जरूरी है। महिला अधिकारिता उपनिदेशक संजय जोशी ने बताया कि यह जागरूकता रथ गोगुन्दा, सायरा, कोटड़ा, फलासिया, झाड़ोल एवं गिर्वा पंचायत समिति के विभिन्न गांवों एवं ग्राम पंचायतों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उडान योजना, शिक्षा सेतु, निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सामूहिक विवाह अनुदान योजना एवं बाल विवाह रोकथाम एवं महिला हिंसा की रोकथाम के लिये वन स्टॉप सेन्टर, इन्दिरा महिला शक्ति केन्द्र, महिला सुरक्षा एवं सलाह आदि योजनाओं का प्रचार-प्रसार का कार्य करेगा। इस जागरूकता रथ में टेलीविजन, लाउडस्पीकर एवं कठपुतली शो के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

कार्यशाला 19-21 जनवरी को

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय लोकमान्य तिलक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण पत्र के आधार पर तीन दिवसीय 'भारतीय भाषाओं में शोध एव अकादमिक लेखन' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 19-21 जनवरी को महाविद्यालय के सभागार में किया जायेगा, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत करेगे। कार्यशाला समन्वयक प्रो. सरोज गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में कुल 9 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें भाषा एवं भारतीय भाषायें, शोध का संप्रत्यय एवं भारत में भाषाई शोध संबंधी नवीनतम प्रवृत्तियां, भाषाओं में शोध समस्याओं की पहचान एवं शोध प्रारूप निर्माण, भाषा में शोध विधि, न्यादर्श, उपकरण एवं दत्त संग्रहण विश्लेषण तकनीकी, भाषाई शोध उपकरणों की वैधता एवं विश्वसनीयता, भाषाई शोध प्रतिवेदन लेखन, आधारित तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। कार्यशाला में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विषय विशेषज्ञ संदर्भ व्यक्तियों के साथ भाषा क्षेत्र से जुडे संभागी उपस्थित होंगे।

सड़क सुरक्षा के लिए प्रेरित किया

उदयपुर, (कासं)। जिला प्रशासन और परिवहन विभाग के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है। सोमवार को आरटीओ पी.एल.बामनिया व डीटीओ डॉ. कल्पना शर्मा की उपस्थिति में आईएचसीएल कंपनी उदयपुर की तीनों होटल्स ताज लेक पैलेस, ताज फतह प्रकाश, ताज अरावली रिसोर्ट एण्ड स्पा द्वारा ताज फतह प्रकाश के सम्कार हॉल में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों व स्टाफ सदस्यों को आरटीओ व डीटीओ ने सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तार से जानकारी दी और इनकी पालना के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने ली खेल संघों के पदाधिकारियों की बैठक

उदयपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने कहा है कि राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल उदयपुर के खेल जगत विस्तार की दिशा में माइल स्टोन बनने जा रहा है क्योंकि हमारे गत ओलंपिक खेलों में पंजीकरण के साथ जी-20 में शेरपा बैठक की सफलता के बाद शहरी ओलंपिक खेलों के राज्य स्तरीय खेलों की मेजबानी मिलने की भी संभावना है।

ऐसा होने पर हमें और भी अधिक गंभीर होकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेजबानी मिलते ही शहर के सभी खेल मैदानों और हॉस्टल्स की दशा ही सुधर जाएगी। कलक्टर मीणा सोमवार शाम राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेलों के सफल आयोजन की तैयारियों के लिए जिले के समस्त खेल संघों के पदाधिकारियों और वरिष्ठ खिलाड़ियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने समस्त पदाधिकारियों और खिलाड़ियों से आ ान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में इन ओलंपिक खेलों के पंजीयन के लिए युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करें। इस मौके पर उन्होंने खेल संघ पदाधिकारियों और वरिष्ठ खिलाड़ियों से एक-एक कर संवाद किया और कहा कि सिर्फ खेलों के पंजीयन ही नहीं अपितु हमें खेलों के सफल आयोजन के लिए मैदानों को भी तैयार करना होगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों को अभ्यास करवाने के साथ ही उन्हें खेल भावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित करने की भी आवश्यकता है। कलक्टर ने इस दौरान समस्त बीएलओ को भी खेलों के पंजीयन कार्य से जोड़ने के लिए निर्देश जारी किए। बैठक दौरान कयाकिंग केनोईंग खेल संघ के अध्यक्ष पीयूष कच्छावा, बैडमिंटन खेल संघ के अध्यक्ष सुधीर बख्शी, दिनेश चंद्र श्रीमाली, जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन सहित अन्य खेल संघ पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए। बैठक दौरान कलक्टर मीणा ने कहा कि शहरी ओलंपिक में आमजन को प्रोत्साहित करने के लिए समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों को इन खेलों के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया है और इस संबंध में निर्देशित भी किया जा रहा है।

सार-समाचार

हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। मारपीट कर पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति को पहाडा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। पहाडा थानाधिकारी सुनिल चावला ने गत दिनों नया गांव खेरवाडा हॉल सरेरा निवासी नीरू की मारपीट कर हत्या करने के आरोपी मृतका के पति नया गांव खेरवाड़ा हॉल सरेरा निवासी ललित पुत्र सोमा को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार ललित मजदूरी करता था एवं शराब पीने का आदी तथा अपनी पत्नी पर शंका किया करता था। इसी के चलते 14 जनवरी रात में उसने पत्नी नीरू की मारपीट कर दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इसको देख आरोपी फरार हो गया।सूचना मिलने पर थानाधिकारी सुनिल चावला ने मौके पर पहुंच कर मृतका को खेरवाडा चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचना दी। इस पर मृतका के पीहर खाण्डीओवरी निचला फला खेरवाडा से आए उसके पिता शंकरलाल पुत्र बदा डामोर ने ललित के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया।

विवाहिता ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। लसाड़िया थाना क्षेत्र में विवाहिता ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मृतका पिता ने उसके पति के खिलाफ दहेज हत्या का प्रकरण दर्ज करवाया। पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार लसाड़िया थाना क्षेत्र चित्तौडिया गांव निवासी लीला पत्नी प्रकाश ने 14 जनवरी को अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर लसाड़िया थानाधिकारी विजेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका के पीहर से परिजनों को बुलवा कर उनकी मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौपा। पुलिस ने मृतका के पिता वरधा फला झापला लसिादिया निवासी खेता पुत्र तौला मीणा की रिपोर्ट पर प्रकाश के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि दो वर्ष पूर्व लीला का विवाह हुआ था।

जेवरात चुराने वाला दबोचा

उदयपुर, (कासं)।मकान मालिक के घर से सोने के जेवरात चुराने वाले को हिरणमगरी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा ने बताया कि 14 जनवरी को हिरणमगरी निवासी राजकुमार पुत्र छगनलाल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि किशनलाल वेद, उसकी पत्नी व बेटा वैभव मकान में किराए पर रहते है। एक माह पूर्व किरायेदार किशनलाल का बेटे वैभव ने अपने दोस्त रोहित के साथ मिलकर उसके घर के ताले तोड़े और अलमारी में रखे दो कान की टोकरिया, चार सोने की चुडिया, एक मोती जड़ित गले का मादलीया और एक गले की तुलसी चुरा ले गये। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर एएसआई बसंतीलाल के नेतृत्व में गठित दल ने आरोपी चाणक्यपुरी सेक्टर 4 निवासी रोहित पुत्र छोगालाल राव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चुराए गए जेवरात बरामद किए। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मारपीट का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। खाना खाने के दौरान विवाद होने पर पीडित के साथियों के साथ मारपीट करने वाले होटल बाउंसरों के खिलाफ गोवर्धन विलास थाना पुलिसने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित हिरणमगरी से. 14 निवासी कुणाल पुत्र पवन किंगारी ने होटल बी टाउन के बाउंसरों के खिलाफ मित्रों के साथ मारपीट करने का प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 15 जनवरी रात में मैं अपने साथियों के साथ होटल में खाना खाने गया था। जहां किसी बात को लेकर विवाद होने पर होटल में तैनात बाउंसरों ने मेरे मित्रों के साथ मारपीट कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

हृदयाघात से मौत

उदयपुर, (कासं)। इसी तरह सूरजपोल थाना क्षैत्र कुमावतपुरा निवासी महिपाल (36)पुत्र जगनाथ राठोड तेली को सोमवार सवेरे सीने में दर्द होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कलेक्टर को मिलेगा अवार्ड

उदयपुर, (कासं)। सुशासन के लिए नवाचार श्रृंखला में जिला कलक्टर ताराचंद मीणा की पहल पर प्रारंभ किया गया मिशन कोटड़ा अब कलक्टर को प्रधानमंत्री अवार्ड दिलाएगा। केन्द्रीय कार्मिक विभाग के उप सचिव द्वारा भेजे गए पत्र में इस तथ्य की पुष्टि हुई है। लोक प्रशासन में नवाचारों के माध्यम से श्रेष्ठ सेवाएं देने के लिए प्रधानमंत्री अवार्ड के लिए शॉर्ट लिस्टेड हुए कलक्टर मीणा को कार्मिक मंत्रालय के उप सचिव ने एक पत्र भेजा है जिसमें उन्हें आगामी 2 फरवरी को नई दिल्ली में कलेक्टर मीणा को नवाचार पर प्रस्तुतीकरण देने के लिए आमंत्रित किया गया है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी प्रशान्त पुशनानी सिन्धी पिता श्री रमेश भाई पुशनानी निवासी 14, लक्ष्मी नगर, बंगलोच धामीघर, बंगलोच के पास पार्श्वनाथ टाउनशिप, नरोडा, अहमदाबाद गुजरात हाल हर्ष नगर अम्बामाता उदयपुर राजस्थान द्वारा एक पॉवर ऑफ एटोर्नी दिनांक 26/09/2022 को श्री छगन लाल पिता श्री वक्तराम गमेती निवासी गणेश नगर पहाडा गिर्वा उदयपुर राजस्थान के पक्ष में निष्पादित की थी। वह पॉवर ऑफ एटोनी मेरे व्यवहारी द्वारा आज दिनांक से निरस्त की जाती है।

उक्त पॉवर ऑफ एटोनी का आज दिनांक से कोई औचित्य नहीं रहेगा एवं श्री छगन लाल आज दिनांक से उस पॉवर ऑफ एटोर्नी का उपयोग नहीं करें यदि किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी व जवाबदारी उसकी स्वंय की रहेगी।

दिनांकः 16.1.23

गोपाल जोशी एडवोकेट
चेम्बर नं.-62, कोर्ट परिसर, उदयपुर (राज.)
Mob.: 8107080988

fincare Small Finance Bank

Registered Office: 301-306, 3rd Floor, ABHIJEET -V, Opp. Mayor's Bungalow, Law Garden Road, Mithakhali, Ahmedabad - 380006, Gujarat. **www.fincarebank.com**

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from Fincare Small Finance Bank Ltd ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **23 January 2023** at below mentioned branches.

BANSWARA - 22660000208491, 22660000237455, 22660000253774, 22660000279995, 22660000302903, 22660000308032 | **CHITTORGARH** - 22660000264553, 22660000268886, 22660000274224, 22660000283797, 22660000917246 | **DUNGARPUR** - 22660000274744, 22660000278927 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 22660000217913, 22660000790392 | **KOTA - GHODE WALE BABA CROSS ROAD** - 22660000225188, 22660000229761, 22660000260081, 22660000304940 | **UDAIPUR - MADHUBAN BANK STREET** - 22660000292500, 22660000302713, 22660000303162.

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान), फोन नं.: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्तियों के लिए)

जबकि

निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स वी भादू इंफ्राबिल्ड प्राईवेट लिमिटेड जिसे पहले मैसर्स लेकसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था निदेशक एवं जमानतदार श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू एवं श्रीमती निर्मल भादू पत्नी श्री विरेन्द्र भादू पर मांग सूचना दिनांक 01.11.2022** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 31.10.2022 को बकाया राशि रू. 6,01,38,274.35 (रूपये छह करोड़ एक लाख अड़तीस हजार दो सौ चौहत्तर एवं पैसे पैंतीस मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 11, माह जनवरी, वर्ष 2023** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों को कब्जे में ले लिया है।

ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 09.01.2023 को बकाया राशि रू. 6,01,51,063.12 (रूपये छह करोड़ एक लाख इक्यावन हजार तिरसठ एवं पैसे बारह मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर, राजस्थान 313001** के प्रभार के अधीन होगा।

कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्तियों का वर्णन

सम्पत्ति 1- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक प्लॉट नं. 1, खसरा नं. 1943 से 1945, मनवा खेड़ा, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 16425 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: अन्य भूमि, दक्षिण: प्रस्तावित रोड़ 40 फिट, पूर्व: प्लॉट नं. 2, पश्चिम: अन्य भूमि

सम्पत्ति 2- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक प्लॉट नं. 2, खसरा नं. 1943 से 1945, मनवा खेड़ा, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 23860 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: अन्य भूमि, दक्षिण: प्रस्तावित रोड़ 40 फिट, पूर्व: रोड़ 40 फीट, पश्चिम: प्लॉट नं. 1

सम्पत्ति 3- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक दुकान नं. 17, रोडवेज वर्कशॉप के सामने जो सेक्टर नं. 11, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: दुकान नं. 16, दक्षिण: दुकान नं. 18, पूर्व: रोड़, पश्चिम: दुकान नं. 1

सम्पत्ति 4- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री विरेन्द्र भादू पुत्र श्री महेन्द्र सिंह भादू के नाम साम्यिक बंधक दुकान नं. 18, भूतल, रोडवेज वर्कशॉप के सामने जो सेक्टर नं. 11, हिरण मगरी, उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: दुकान नं. 17, दक्षिण: दुकान नं. 19, पूर्व: रोड़, पश्चिम: दुकान नं. 1

स्थानः उदयपुर
दिनांकः 11.01.2023

हस्ता.
(डॉ मनीष सरूपरिया)
सहायक महाप्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

क्राफ्ट मेला में दिखा उत्साह

उदयपुर, (कासं)। जिला प्रशासन व राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा उदयपुर के नगर निगम प्रांगण में आयोजित उदयपुर सरस राष्ट्रीय क्राफ्ट मेले में लोग उत्साह के साथ भाग ले रहे है। राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक अनिल पहाडिया ने बताया कि मेले में राजस्था के साथ अन्य राज्यों से आई महिलाओं द्वारा हस्त निर्मित उत्पादो की बिक्री जारी है एवं विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन भी उपलब्ध ह। मेले में आमजन खरीदारी एवं मनोरंजन के साथ सांस्कृतिक संध्या का भी लुत्फ उठा रहे है। पहाडिया ने बताया कि इस मेले में अशोक संगीत गुरूकुल संगीत संस्था द्वारा अशोक राव एवं उनकी टीम द्वारा गणपति वन्दना, स्वागत गीत कैसरिया बालम, गौर बन्ध नृत्य, एकल नृत्य (बनी थारो चांद सरीखो मुखडो), सुफी गीत (दमादम मस्त कलंदर), किशनगढ़ का चरी नृत्य, सिद्धार्थ राव द्वारा रामायण गायन, नीम्बुडा गीत, घूमर नृत्य, भवाई नृत्य, घूमर नृत्य, बन्ना बनी नृत्य, चिरमी नृत्य, आदि की प्रस्तुति ने समा बांधा। आज संगीत संस्था के सिंगर अशोक राव, जितेन्द मेघवाल, निखिल मेनारिया द्वारा सदाबहार नगमों की प्रस्तुतियां दी।

दो दिवसीय जिला स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। शांति एवं अहिंसा विभाग द्वारा उदयपुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को हुआ। प्रातः अहिंसा यात्रा के पश्चात नगर निगम के सुखाडिया रंगमंच में उद्घाटन सत्र और प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ जहां गांधी विचारकों ने वक्तव्य दिए। इसके पश्चात सायं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रथम दिवस के कार्यक्रमों का समापन हुआ। मंगलवार को सुबह 9:30 बजे सर्वधर्म प्रार्थना सभा, 11 बजे हार्टफुलनेस मेडिटेशन तथा प्रशिक्षण सत्र एवं सायं 4 बजे समापन सत्र का आयोजन किया जाएगा।

■ **गिरिजा व्यास ने कहा नई पीढ़ी को गांधी के बताए मार्ग पर चलने की जरूरत**

जिला स्तरीय गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन अहिंसा मार्च का आयोजन हुआ।

अहिंसा यात्रा को सुबह पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने गाँधी मैदान से शहीद स्मारक नगर निगम तक झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का समापन शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। अहिंसा यात्रा के दौरान लोगों ने महात्मा गांधी अमर रहे के नारे लगाए और साथ ही गांधी के विचारों पर चलने का संदेश दिया। इस दौरान गांधी दर्शन समिति के संयोजक पंकज कुमार शर्मा, सुधीर जोशी, फिरोज अहमद शेख, जिला परिषद एसीईओ विनय पाठक सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजनों ने हिस्सा लेकर अहिंसा मार्च को सफल बनाया। नगर निगम के सुखाडिया रंगमंच पर 11 बजे उद्घाटन सत्र का आयोजन हुआ। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास ने अपने वक्तव्य में कहा कि हेट स्पीच पर रोक लगना जरूरी है एवं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट भी निर्देश दे चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में गंगा जमनी संस्कृति है और सर्व धर्म समभाव को लेकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज के इस दौर में गांधी के विचार बेहद सामयिक हो गए हैं, नई पीढ़ी को गांधी के बताए मार्ग पर चलने की जरूरत है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री व्यास ने कहा कि गांधी आज के समय भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने कि आजादी से पहले थे। देश के सुप्रसिद्ध गांधी विचारक प्रोसेफर सतीश राय कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। उन्होंने गांधी के समूचे जीवन पर प्रकाश डाला और उनके जीवन की विभिन्न घटनाओं को उल्लेखित करते हुए उससे प्रेरणा लेने की बात कही। प्रोफेसर राय ने चंपारण सत्याग्रह, अफ्रीका में गांधी को रेल से उतारे जाने की घटना और उस घटना से उनके जीवन में आए परिवर्तन, असहयोग आंदोलन, गांधी और नेहरू की प्रथम मुलाकात, बतख मिया का किस्सा, भारत छोड़ो आंदोलन के हिस्से आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन घटनाओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

कुल्लू, मनाली और कश्मीर से ठंडा रहा माउंट आबू, पारा -6 डिग्री दर्ज

माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं

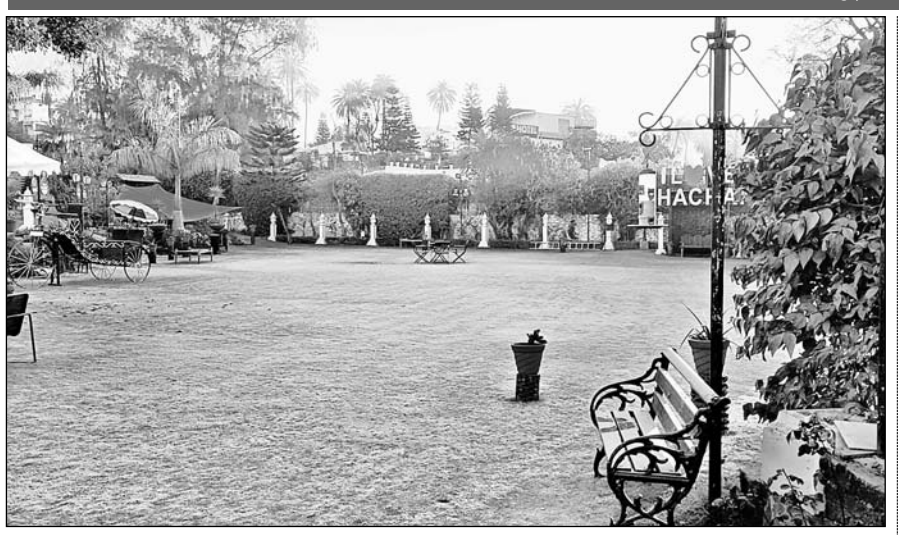

माउंट आबू में सर्दी से जमी ओस की बूंदे बर्फ बन गईं।

आबूरोड़, (निसं)। माउन्ट आबू में सोमवार को तीसरे दिन पारा जमाव बिंदु के नीचे रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान माइनस 6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार के मुकाबले न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है और अभी भी सर्दी का थर्ड डिग्री टॉर्चर जारी है। माउंट आबू का न्यूनतम तापमान देश के अन्य हिल स्टेशन कुल्लू, मनाली, शिमला सहित अन्य जगह से काफी कम है। माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सर्दी को देखते हुए दो दिन का स्कूली अवकाश घोषित किया है। लोग अलाव के सहारे से बचने का जतन कर रहे है।

पर्यटक उठा रहे है लुफ्त:- सर्दी के मौसम में अक्सर ही ठण्ड का लुफ्त उठाने के लिए गुजरात सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक हिल स्टेशन माउंट आबू का रुख करते है। वही इस बार मौसम और तापमान में गिरावट के बाद माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक जमकर सर्दी का लुफ्त उठा रहे है। पर्यटक चाय की चुस्कीयों और गर्म व्यंजनों कर सहारे सर्दी भगाने का जतन करते नजर आ रहे है।

अलाव, गर्म कपडे और रूम हीटर बने सहारा:- माउंट आबू में सर्दी के तेज प्रकोप के बीच अलाव जलाकर सर्दी से बचाव कर रहे है वही पर्यटकों गर्म कपड़ो और रूम हीटर से सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। कड़ाके की सर्दी से लोगों की धुजनी छूट गई है। उधर ठण्ड के साथ ही हवाओं का दौर भी जारी है।

सर्दी से खेतों में बिछी बर्फ की सफेद चादर

- सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है
- किसानों ने सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई
- 'सरसों की फसल में नुकसान की आशंका'

सूरतगढ़, (निसं)। इलाके में पड़ रही कड़ाके की सर्दी से फसलों पर बर्फ की सफेद चादर जम रही है। खेतों में यह स्थिति सोमवार सुबह भी देखी गई। विगत कुछ दिनों से धुंध और शीतलहर के कारण सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है। इससे क्षेत्र में सरसों की फसल में नुकसान होने की आशंका बन गई है।

किसानों ने विगत 3 दिन से पड़ रहे पाला से सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई है। वहीं, समतल और सख्त भूमि वाले किसानों ने पाला से 40 फीसदी नुकसान होने की बात कही है।

कृषि विभाग का भी कहना है कि आगामी 3 से 4 दिनों बाद नुकसान की जांच करने के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी। कृषि अधिकारियों ने बताया कि दिन में तीखी धूप खिलने के साथ हवा नहीं चलने से नुकसान कम है। उन्होंने बताया कि जिस सरसों और चना की फसल में सिंचाई हो चुकी है, उसमें नुकसान कम है। वहीं पछेती सरसों के डंठल में पानी जमने से नुकसान की आशंका बनी हुई है।

टिब्बा क्षेत्र के किसान भोमनाथ, हरदेव सिंह, सुरजाराम, रामलाल, मनीराम आदि ने बताया कि इस बार सरसों की बंपर फसल है परंतु करीब 1 सप्ताह से चल रही ठंडी हवाओं से नुकसान होना भी तय है। किसानों का कहना है कि कोहरे के रूप में बरसी बर्फ का विपरीत प्रभाव सरसों की फसल पर ज्यादा देखने को मिला है।

बाप में सर्दी से राहत नहीं, बर्तनों में जमी बर्फ

बाप में पाला पड़ने से खेत में अंरडी की फसल झुलस गई।

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले में सर्दी का सितम जारी है। सर्दी से राहत नहीं मिलने से आमजन सहित पशु पक्षी भी बेहाल है। शीतलहर की वजह से धूप में भी कंपकंपी छुट रही है। पिछले तीन दिनों से रात में पारा जमाव बिंदु तक जा रहा है। सुबह खेतों में फसल, घास आदि पर बर्फ जम रही है। सोमवार सुबह घटोर में घरों के बाहर रखे बर्तनों में भी बर्फ जम गई। दिन ढलते ही सर्दी में इजाफा हो जाता है। कड़ाके सर्दी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है।

सरसों-चने में नुकसान से किसान सदमे में

सादुलपुर, (निस)। चूरू जिले में आठ साल के बाद जनवरी माह में लगातार शीतलहर के साथ-साथ पारा माइनस में दर्ज किया जा रहा है। चुरू जिले सहित सादुलपुर तहसील क्षेत्र में 2.5 डिग्री माईनस में पहुँचे तापमान के कारण खेतों में खड़ी सरसों चनों की फसलों में नुकसान होने के कारण किसान सदमे में हैं।

साथ ही हाड़ कम्पाने वाली ठंड के कहर से आमजन का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने शीघ्र ही माईनस तापमान के कारण बर्बाद हुई फसल की गिरदावरी करवाने की मांग की है। वहीं गांव गोविंद सिंह का बास के किसान हरिराम व गांव भैंसली निवासी किसान रामनिवास, रतन सिंह व जय सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार सरसों गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है तथा खेतों में चारों तरफ किसानों की खेती बर्बाद हो चुकी है।

इसके अलावा राजगढ़ तहसील के गांव नीमां, जसवंतपुरा, चाँदगोठी, थिरपाली छोटी, थिरपाली बड़ी, सुलखानिया छोटा, सुलखणिया बड़ा व नेशल आदि गांवों के किसानों ने भी राज्य सरकार एवं प्रशासन से गिरदावरी करवाकर किसानों को हुए भारी सर्दी से नुकसान के कारण फसल बर्बादी का किसानों को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। भारत की कम्यूनिष्ट पार्टी (माकर्सवादी) के जिला कमेटी सदस्यों ने राज्य सरकार व तहसील प्रशासन से मांग करते हुए पत्र लिखा है कि सिंचित क्षेत्र के इन गांवों में आजकल में ही गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाया जाए।

सादुलपुर सरसों की फसल पर जमी बर्फ।

पाला से खराब हुई फसलों का मुआवजे दिलवाने की मांग

- किसानों पर पड़ रही चौतरफा मार, समय पर न बिजली मिल पा रही ना खाद

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस-पास के क्षेत्रों में शीतलहर व पाले के कारण सभी फसलों का नुकसान हो रहा है। इसको लेकर जनप्रतिनिधियों सहित किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह यादव को ज्ञापन पत्र सौंपकर शीघ्र गिरदावरी करवाकर किसानों को फसल खराबे का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ज्ञापन पत्र के माध्यम से अवगत करवाया कि किसान भाइयों पर चौतरफा मार पड़ रही है। ना तो किसानों को समय पर बिजली मिल रही है, ना ही पर्याप्त खाद व उर्वरक मिल पा रहा है और ना ही अभी तक किसानों के कर्ज की माफी हुई। अब क्षेत्र में शीतलहर के प्रकोप व पाला पड़ने के कारण सरसों, गेहूं, जौ, चना व फल सब्जियों की बाड़ी सहित सभी फसलें खराब होने के कगार पर है।

लाडाकाबास सरपंच सरोज यादव, पूर्व सरपंच मदन याद व कारौली सरपंच श्रवन सिंह शेखावत ने कहा कि यदि फसल खराबे की समय से गिरदावरी हो जाए तो किसानों की फसल खराबे का सही आंकलन हो जाएगा।

श्रीमाधोपुर। कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण इलाके में सर्दी ने तीखे तेवर फिर से दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को खेतों में खड़ी फसल पर ओस की बूंदें तथा घरों के बाहर पक्षियों के लिए लगाए गये परिंडों में रखा पानी भी बर्फ में तब्दील हो गया। लगातार पड़ रही सर्दी से आम जनजीवन अस्त वस्त हो गया है। सोमवार सुबह चारों और बर्फ ही बर्फ नजर आई। बर्तन में जमी बर्फ दिखाती महिला।

रोक से पहले खूब हुए ट्रांसफर, शिक्षा विभाग रहा अव्वल

- ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक, एएनएम से डॉक्टर्स तक के हुए तबादले
- ट्रांसफर पर फिर बेन लग गया लेकिन थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार ने पंद्रह जनवरी से तबादलों पर रोक लगा दी। इसके साथ ही रात बारह बजे तक ट्रांसफर लिस्ट जारी होने का सिलसिला चलता रहा। ट्रांसफर के अंतिम दिन भी सबसे ज्यादा आदेश निकालने वाले विभागों में शिक्षा विभाग अव्वल रहा। ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक के ट्रांसफर किए गए। वहीं चिकित्सा विभाग में एएनएम से डॉक्टर्स तक के तबादले हुए। पुलिस विभाग में भी कुछ आदेश हुए।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने लेक्चरर, हेडमास्टर और प्रिंसिपल के साथ मंत्रालयिक कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों पर संयुक्त निदेशकों के हस्ताक्षर से ट्रांसफर लिस्ट जारी हुई है। ये सभी ट्रांसफर लिस्ट जयपुर से स्वीकृति के बाद ही जारी हो सकी है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के कार्यालय से हरी झंडी मिलने के बाद ही शिक्षा विभाग में ट्रांसफर हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी अपनी लिस्ट शिक्षा मंत्री कार्यालय को भेजी, जिसकी शत प्रतिशत पालना की गई है।

हर जिले में विधायकों की सिफारिशों पर विशेष ध्यान दिया गया है। विधायकों ने ट्रांसफर करने और निरस्त करने की सिफारिश की है। कांग्रेस विधायकों की सिफारिशों के आधार पर एक बार फिर आदेश जारी हुए हैं। बीकानेर संयुक्त निदेशक ने एक ही आदेश में अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों के तबादले किए हैं। ट्रांसफर से बेन हटने के बाद वापस भी लग गया लेकिन अब तक ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए। करीब एक लाख टीचर्स ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं। अशोक गहलोत सरकार ने इस बार भी एक ग्रेड थर्ड का ट्रांसफर नहीं किया है। पिछले दिनों मंत्रिमंडल की मीटिंग के बाद उम्मीद की जा रही थी कि तबादला नीति बनने से पहले ही ट्रांसफर होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब ग्रेड थर्ड के लिए विशेष अनुमति की उम्मीद की जा रही है।

उधर, चिकित्या विभाग ने भी बड़ी संख्या में एएनएम के ट्रांसफर किए हैं। चिकित्सा निदेशालय ने जयपुर से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। चिकित्सा विभाग में अपेक्षा से कम फेरबदल हुआ। बीकानेर में सदर थानाधिकारी सीआई लक्ष्मण सिंह व पुलिस निरीक्षक प्रदीप सिह चारण का ट्रांसफर भी निरस्त हो गया है। इस बारे में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी हुआ। इससे पहले भी कुछ सीआई का ट्रांसफर निरस्त हुआ था। अब तबादलों पर रोक लगने के साथ ही पुलिस निरीक्षकों ने भी राहत की सांस ली है। अब चुनाव से पहले ही बड़ी ट्रांसफर लिस्ट जारी होगी।

लाइनमैन रिश्वत लेते गिरफ्तार

आहोर, (निसं)। जालोर एसीबी ने जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन को छह हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आहोर के हरजी गांव के परिवादी ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत मीटर की रिडिंग ठीक करने व वीसीआर नहीं भरने की एवज में 6000 रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए डिस्कॉम के सहायक तकनीकी लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत जिला करोली को रिश्वत की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। वेतनमान बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे जेल प्रहरियों में अधिकांश की तबीयत अब बिगड़ने लगी है। सोमवार सुबह 3 प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इससे पहले रविवार को भी दो जेल प्रहरी अस्पताल पहुंचे थे। वर्तमान में 5 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती हैं जबकि 8 जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हो चुकी है।

सोमवार सुबह जेल प्रहरी राजूराम, सवाई राम और जेताराम की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को 108 एम्बुलेंस के जरिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले रविवार रात विकास विश्नोई की भी तबीयत खराब हुई थी, जिसे भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रविवार को एक महिला जेल प्रहरी संतोष मीणा का स्वास्थ्य खराब होने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जोधपुर सेंट्रल जेल में 100 से ज्यादा जेल प्रहरी और 30 से ज्यादा अधिकारी पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे हैं। अभी अस्पताल में 5 जेल प्रहरी भर्ती हैं। जबकि 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अनशन स्थल पर अधिकांश जेल प्रहरियों की तबीयत खराब है। ऐसे में मेडिकल टीम लगातार नजर बनाए हुए है।

गन्ना पैदा करने वाले किसान खुश, लगभग डबल हुआ उत्पादन

चीनी का प्रोडक्शन भी होगा दुगना

- 80 प्रतिशत खपत स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है

श्रीगंगानगर, (निसं)। इस बार जिले में रिकॉर्ड गन्ना उत्पादन दर्ज किया गया है। जिले में इस साल गन्ने का प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले लगभग डबल हुआ है। पिछले साल जहां इलाके में नौ लाख क्विंटल से ज्यादा गन्ना उत्पादन हुआ था, इस बार इसका प्रोडक्शन पंद्रह से सत्रह लाख क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे गन्ना किसान काफी खुश हैं। उनका कहना है पिछले साल जहां एक बीघा में दो सौ क्विंटल तक गन्ना उत्पादन हुआ था वहीं इस बार यह 250 क्विंटल से ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे चीनी का उत्पादन भी बढ़ेगा।

इलाके में पैदा होने वाले गन्ने में से अस्सी प्रतिशत की खपत राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है। पिछले साल शुगर मिल ने करीब साढ़े सात लाख क्विंटल गन्ना लिया था। इस बार मिल के पंद्रह लाख क्विंटल तक गन्ना लेने का अनुमान है। मिल में खपत दोगुना होने और किसानों के इसके लिए बॉण्ड भी भर देने से इस बार चीनी का प्रोडक्शन भी डबल होने का अनुमान है। गन्ने का प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले डेढ़ सौ क्विंटल तक बढ़ा है। पिछले साल जहां प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन 450 क्विंटल था, इस बार यह छह सौ क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। पिछले साल जहां गन्ने का प्रोडक्शन एरिया 2200 हैक्टेयर था वहीं इस बार यह बढ़कर 2400 हेक्टेयर हो गया है।

गांव नौ जैड के किसान दलजिंद्र सिंह बताते हैं कि इस बार बरसात अच्छी होने से गन्ने का प्रोडक्शन प्रति बीघा करीब पचास से साठ क्विंटल बढ़ गया। ऐसे में अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इलाके के प्रमुख गन्ना उत्पादक सतविंद्र सिंह मानते हैं कि इस बार प्रोडक्शन पंद्रह लाख क्विंटल तक हो सकता है। इलाके के किसानों ने बताया कि दोनों ही तरह के गन्ने में मिठास सर्दी के साथ ही बढ़ती है। ऐसे में मोढ़ी गन्ना जल्दी मिल तक आने से मिल में इससे चीनी उत्पादन का प्रतिशत कम रहता है।

उप निदेशक आयुर्वेद डॉ. आर.के. पारीक के अनुसार गन्ने के रस के फायदे या नुकसान की बात करें तो गन्ने से तैयार गुड़ इस मौसम में उपयोगी है। जबकि वर्तमान मौसम में गन्ने का रस फायदे की बजाय नुकसान देगा। गर्मी में यह शरीर के लिए उपयोगी रहता है।

15 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती

अलवर, (निसं)। पुलिस की तरह समान पद और समान वेतन की मांग को लेकर जेल प्रहरी प्रदेशभर में अनशन और प्रदर्शन कर रहे हैं। अलवर में भी 4 दिन से जेल के बाहर प्रहरियों का अनशन जारी है। अलवर में करीब 15 कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। कुछ कर्मचारियों की रात को तो कुछ की सुबह तबीयत बिगड़ी है। कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली भी कर्मचारियों से समझाइश करने आए लेकिन सोमवार को भी कर्मचारियों का अनशन जारी है। जेल कार्मिकों की 2017 में हुए समझौते की पालना में मैस का बहिष्कार व अनिश्चितकालीन अन्न त्याग आंदोलन 4 दिन से जारी है।

दो जेल प्रहरियों की तबियत बिगड़ी

मालपुरा, (निसं)। वेतन विसंगतियों को दूर किये जाने की मांग को लेकर मालपुरा उप कारागृह में तैनात जेल प्रहरियों का अनशन के चौथे दिन सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार की अलसवेरे 5 बजे अनशन पर रहते हुए ड्यूटी कर रही महिला जेल प्रहरी पूजा मेघवंशी की तबियत बिगड़ जाने पर जेल प्रभारी व साथियों ने 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार शुरू किया। अस्पताल पहुंचे मीडियाकर्मियों को महिला जेल प्रहरी ने बताया कि जब तक राज्य सरकार से वार्ता नहीं हो जाती उनका अनशन जारी रहेगा।

भारत जी 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा: बिरला

'भारतीय कुशल श्रमिक आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं'

- लोक सभा अध्यक्ष ने केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री. रिगाथी गचागुआ के साथ बैठक की
- बिरला ने केन्या नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. से मुलाकात की
- लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया

जयपुर, (कासं)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो केन्या और तंजानिया के दौरे पर आए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, ने आज केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री रिगाथी गचागुआ से मुलाकात की।

इस अवसर पर बोलते हुए, बिरला ने कहा कि भारत और केन्या दोनों देशों ने उपनिवेशवाद के विरूद्ध संघर्ष किया है। भारत और केन्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझा दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने शांति और विकास के लिए आतंकवाद को खत्म करने के सामूहिक प्रयासों के लिए आग्रह किया। बिरला ने भारत के 20 कार्यकाल की प्राथमिकताओं पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि भारत 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा।

जलवायु परिवर्तन के मसले पर भारत पहले ही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल कर चुका है और नवीकरणीय स्त्रोतों से ऊर्जा के दोहन की दिशा में कार्य कर रहा है। दोनों गण्यमान्य विशिष्टजनों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के विस्तार और पीपल टू पीपल कॉन्टैक्ट को बढ़ाने के विषय में भी चर्चा की।

यात्रा के पहले दिन बिरला ने अपने केन्याई मेज़बान माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. अध्यक्ष, केन्या नेशनल असेंबली के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत दोनों देशों के बीच मजबूत संसदीय संबंधों को प्रोत्साहित करता है। बिरला ने केन्या गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर महामहिम विलियम रूटो को भी हार्दिक बधाई दी।

बिरला ने जोर देकर कहा कि भारतीय कुशल कामगार आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं और दोनों देशों के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि केन्या से बड़ी संख्या में छात्र भारत में अध्ययन कर रहे हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत ने दुनिया भर के देशों को बड़ी संख्या में टीके उपलब्ध कराए। बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया।

नवाचार, शोध और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के महत्व के बारे में बोलते हुए, बिरला ने कहा कि लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) दोनों संसदों के बीच उच्च स्तरीय ज्ञान साझा करने और घनिष्ठ संपर्क सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिरला ने माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इससे पहले, केन्या के विदेश और प्रवासी मामलों के कैबिनेट सचिव डॉ. अल्फ्रेड एन. मटुआ, ईजीएच ने लोक सभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात की। नैरोबी आगमन पर, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का भारतीय उच्चायोग और केन्याई सरकार के अधिकारियों ने स्वागत किया।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) नैरोबी पहुंचा।

पेपर लीक से मन आहत, दलालों को नहीं सरगनाओं को पकड़ना चाहिए : पायलट

नए साल में नागौर के परबतसर में राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए पायलट ने बड़े किसान सम्मेलन के जरिए साधा सरकार पर निशाना

- **पायलट ने कहा, ''पिछले चुनावों में कांग्रेस 21 पर रह गई, बीजेपी 163 सीटें जीत गई, पांच साल कोशिश रही कि कार्यकर्ता के खुशी के माहौल में नहीं पहुंचा, लेकिन दुख के माहौल में जरूर शामिल हुआ, पदयात्रा की, घेराव किए, लाठियां खाईं, तब सरकार आई**
- **सम्मेलन के जरिए हेमाराम चौधरी ने युवा नेतृत्व को आगे लाने की बात कही**

जयपुर/परबतसर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने चुनावी वर्ष में अपनी राजनीतिक यात्रा का आगाज नागौर जिले के परबतसर की धरती से किया, जिस नागौर की धरती से पं जवाहरलाल नेहरू ने पंचायत राज का आगाज किया था। परबतसर में किसान सम्मेलन के जरिए ना सिर्फ पायलट ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया, बल्कि उन्होंने राजस्थान में कई भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक होने और इससे बेरोजगारों को होने वाले नुकसान को लेकर इशारों में अपनी ही सरकार पर निशाना भी साधा। वहीं कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने युवाओं को आगे लाने की हिमायत करते हुए कहा कि ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती। इसलिए आगे बढ़कर युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए

सचिन पायलट ने राजस्थान में लगातार हो रही पेपर की घटनाओं पर बोलते हुए कहा कि नौजवानों के भविष्य की चिंता हम सबको है। सच बताता हूं, जब भी खबर पढ़ता हूं कि हमारे प्रदेश में कभी पेपर लीक हो गए, कभी परीक्षा कैंसिल हो गई, तो मन आहत होता है। पीड़ा होती है। पायलट ने कहा कि गांव का नौजवान अगर परीक्षा की तैयारी करता है, तो उसके माता-पिता को कितनी तकलीफ उठानी पड़ती है। कहां से वह ट्यूशन के पैसे लाते हैं, कहां से वह किताबों के पैसे लाते हैं। दिन-रात मेहनत करता है। विपरीत हालात में परीक्षा की तैयारी करता है। गांव का नौजवान जब विपरीत हालात में पढ़ाई करके परीक्षा देता है, ऐसे में जब पेपर लीक होने के मामले सामने आते हैं, तो सच में मन बहुत आहत होता है। मैं उम्मीद करता हूं कि ये जो छोटी मोटी दलाली करते हैं। बजाय इनको पकड़ने के सरगना को पकड़ना चाहिए। क्योंकि इस देश का नौजवान अगर सही रास्ते पर नहीं चलेगा। उसे उसकी मेहनत का फल नहीं मिलेगा। उसके विश्वास में कमी आ जाएगी तो यह हमारे देश और प्रदेश के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

पायलट ने कहा कि पिछले चुनावों में कांग्रेस के 21 विधायक रह गए थे, बीजेपी 163 सीटें जीतकर आई थी। पांच साल मेरी कोशिश रही कि हर कार्यकर्ता तक पहुंच सकूं। हर सीमा, हर खाई को पार कर सकें। मैं किसी के खुशी के माहौल में नहीं पहुंचा, लेकिन दुख के माहौल में जरूर शामिल हुआ। पांच साल में पदयात्रा, घेराव किए। हमने धरने दिए, लाठियां खाईं। तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के क्षेत्र में बारां से झालावाड़ तक हमने किसान न्याय यात्रा निकाली थी और उस वक्त मुख्यमंत्री को हमारी बात माननी पड़ी थी। इतना करने पर हमारी सरकार आई।

पायलट ने कहा कि किसान आंदोलन खत्म हो गया। केंद्र सरकार किसानों के आगे झुकी, लेकिन उनकी मांगें अब भी पूरी नहीं की हैं। इसलिए किसान सम्मेलन के जरिए हम केंद्र से मांग करते हैं कि एमएसपी पर फसल खरीद का कानून बनाया जाए। यहां पायलट ने वादा किया कि किसान को जहां जरूरत पड़ेगी। वहा खड़ा रहूंगा। पायलट ने कहा कि आज से 12 साल पहले जब केंद्रीय मंत्री था। मुझे वीर तेजाजी पर डाक टिकट जारी करने का सौभाग्य मिला था। पहले कई केंद्रीय मंत्री रहे, लेकिन यह अवसर मुझे मिला। आज खरनाल में तेजाजी के दर्शन करने जा रहा हूं।

इसी के साथ अग्निवीर योजना पर बोलते हुए पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार हमारे नौजवानों और किसानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। अग्निवीर बनकर सेना में भर्ती होने वाले नौजवानों की चार साल बाद छुट्टी कर देंगे। किसानों के बच्चे फौज में भर्ती होते हैं। उद्योगपतियों के नहीं। केंद्र सरकार न किसान-नौजवानों की भावनाओं को समझती है, न उन्हें जमीनी हालात का पता है। बीजेपी के लोग जब विपक्ष में थे तो कहते थे कि महंगाई डायन मार गई। आज पेट्रोल-डीजल देसी घी से महंगा कर दिया, नौजवान बेरोजगारी से परेशान है। किसान की आय दोगुना करने का वादा जुमला ही रह गया। किसान और नौजवान संगठित हो गया तो केंद्र की सत्ता से ये अफवाह फैलाने वाले चले जाएंगे। किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने युवा नेतृत्व आगे लाने की पहल करने की बात कही। उन्होंने इशारे-इशारे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आड़े हाथ लिया और कहा कि ताली कभी भी एक हाथ से नहीं बजती है, बल्कि ताली बजाने के लिए भी दोनों हाथों की जरूरत पड़ती है। आज युवाओं को पार्टी में मौका देने की जरूरत है। किसान सम्मेलन को विधायक रामनिवास गावड़िया, मुकेश भाकर, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर ने भी संबोधित किया। इस दौरान विधायक वीरेंद्र सिंह, फुलेरा से कांग्रेस प्रत्याक्षी रहे विद्याधर चौधरी, महिला कांग्रेस सचिव शशि गुप्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अनिल चौपड़ा, ज्योति खंडेलवाल सहित अन्य नेता भी मौजूद थे।

परबतसर संवाददाता के अनुसार इस मौके पर सचिन पायलट ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए तीन काले कानून बनाए लेकिन किसानों के विरोध के कारण केंद्र सरकार को उन काले कानून को वापस लेना पड़ा, माफी मांगनी पड़ी लेकिन आज तक किसानों की उजप का समर्थन मूल्य का कानून नहीं लागू किया।

किसान सम्मेलन में विशाल भीड़ को देखते हुए उन्होने कहा कि बीजेपी वाले कह रहे हैं कि हम जन आक्रोश रैली निकाल रहे हैं, उनसे कहना चाहता हूं कि आंख खोल कर देखो जनता तो यहां बैठी है, काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। यह लोग किसान को कमजोर समझते हैं हमें उनसे हारना नहीं है। किसान के नाम पर राजनीति करने वालों को हमें हराना है। इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि मैं जब छोटा था तो स्वर्गीय राजेश पायलट के साथ सभाओं में जाता था तो वे कहते थे कि जब तक देश की अर्थव्यवस्था एवं नियम कानून बनाने वाली कुर्सी पर किसान का बेटा नहीं बैठेगा तब तक सही मायने में किसान व लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। इसलिए अपनी ताकत को पहचानों अपने वोट की कीमत समझो।

कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजूराम मुन्दलिया ने किया। समारोह में एक भी माली समाज के नेता मंच पर नहीं देखा गया। वहीं नागोर जिला कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गेसावत, कद्दावर जाट नेता लछाराम बडारडा, मकराना परबतसर के एक भी पूर्व विधायक सहित स्थानीय कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी भी मंच पर नहीं दिखे जानें से राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों से सुनाई दे रही है। किसान सम्मेलन में अधिकतर जाट और गूजर समाज के अलावा नरेगा श्रमिकों की भीड़ रही। इस दौरान कई लोगों के तो मोबाईल भी चोरी होने के समाचार मिले। कार्यकम में सुचारू व्यवस्था नहीं होने से मिडिया कर्मियों की कुर्सियों पर तो उपस्थित भीड़ ने कब्जा जमा लिया। समापन के दौरान मची भगदड ने मंच की सीमा को तोड़ साउंड सिस्टम सहित प्रसारण मॉडम सहित उपकरण तोड़ हजारों का नुकसान किया।

101 निर्धन वृद्ध-विधवा माताओं को कम्बल बांटे

सत्यचित्त पुष्पानंद सामाजिक विकास संस्था की ओर से कंबल सेवा समारोह में 101 वृद्ध- विधवा माताओं को कंबल व तिल के लड्डू बांटे गये।

जयपुर। गत 14 वर्षों से संचालित सेवार्थ संस्था सत्यचित्त पुष्पानंद सामाजिक विकास संस्था की ओर से मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कंबल सेवा समारोह के अंतर्गत 101 वृद्ध- विधवा माताओं को कंबल व तिल के लड्डू प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर अध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज ने अपने आशीर्वचन व्यक्त करते हुए कहा कि सर्दी के इस बर्फाले मौसम में निर्धन वृद्ध और विधवा माताओं को कम्बल सेवा का सम्मान करना सच्ची मानवता है। क्योंकि निर्धन उम्रदराज और विधवा माताओं का जीवन बहुत अभावों से गुजरा होता है ऐसे वक्त पर संस्था द्वारा किया गया अतुलनीय प्रयास अनुकरणीय है।

कार्यक्रम आयोजिका संस्था सचिव रीता पाठक ने संस्था के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि पूर्व घोषणानुसार चार चरणों के अंतर्गत शीतकालीन सत्र के दौरान तृतीय चरण में कच्ची बस्तियों में रहने वाली जरूरतमंद वृद्ध व विधवा माताओं के नाम घर घर जाकर सूचीबद्ध किए गए ताकि सही मायने में जरूरतमंदों की सेवा हो। वृद्ध-विधवा माता कंबल सेवा समारोह के अवसर पर अतिथिगणों में राजस्थान पुजारी परिषद के जयपुर शहर अध्यक्ष समाजसेवी कमलेश कुमार शर्मा और समाजसेविका मंजू गोयल ने संयुक्त रूप से अपने वक्तव्य में संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए शहर भर के भामाशाहों से संस्था के अनुपम कार्यों में अपनी सहभागिता की अपील की। इस अवसर पर समाजसेवी आलोक सर्राफ, डॉक्टर सुनील तंवर, सुरेश गुप्ता, समाजसेवी कमलेश शर्मा, मंजू गोयल, आशीष तिवारी, अंजलि अग्रवाल, गुड्डी रानी, कोमल चंद गोयल, सुभाष जोशी, रिंकू, कमलेश कुमारी आदि उपस्थित थे।

डॉ. बगरहट्टा की पुस्तक का जेएलएफ में होगा विमोचन

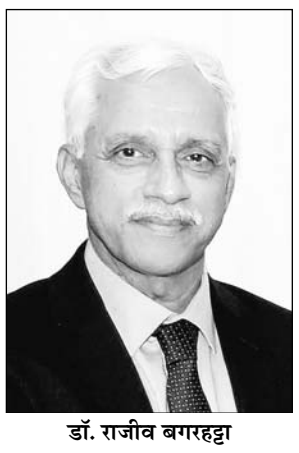

डॉ. राजीव बगरहट्टा

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और कंट्रोलर डॉ राजीव बगरहट्टा द्वारा लिखित पुस्तक वेल प्लेड का विमोचन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) के पहले दिन 19 जनवरी को शाम 5 बजे फ्रंट लॉन में किया जाएगा। इस पुस्तक का विमोचन ओलंपिक एथलीट अभिनव बिंद्रा और मेदांता के चेयरमैन व एम.डी., डॉ. नरेश त्रेहान करेंगे। डॉ. बगरहट्टा एक्सेस हेल्थ केयर के सीईओ परीक्षित सिंह के साथ चर्चा करेंगे।

पुस्तक के बारे में बात करते हुए, डॉ. बगरहट्टा ने बताया कि यह पुस्तक उनके पिता जगदीश प्रसाद बगरहट्टा की अपरंपरागत यात्रा के बारे में है, जिसमें उन्होंने उनके बचपन के दौरान उपेक्षा से लेकर विभाजन के साक्षी बनने तक, प्रतिस्पर्धी खेलों की भावना को बनाए रखने और फिर कार्डियक रिहैबिलिटेशन की मदद से देखभाल करने की फिलॉसफी का प्रसार करने तक की कहानी के बारे में बताया है। अवस्थांतर और परिवर्तन की प्रेरक कहानी, वेल प्लेड पाठकों को विश्वास बनाए रखने, जोखिम लेने, सही समय पर सही कदम उठाने और साधारण को असाधारण में बदलने के लिए प्रेरित करेगी।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में सुनाई पड़ेंगी भिन्न भारतीय भाषाएं

जयपुर, (का.सं.)। 19 से 23 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में भारतीय भाषाओँ पर प्रमुख फोकस के माध्यम से साहित्य, कला और संस्कृति की ताकत का जश्न मनाया जायेगा। फेस्टिवल के 16वें संस्करण में 21 भारतीय और 14 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओँ को प्रस्तुत किया जायेगा।

साहित्य के इस महाकुम्भ में एक विशेष सत्र में अलका सरावगी और उपन्यासकार, टोकरी में दिगंत के लिए साहित्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित अनामिका हिस्सा लेंगी। इन प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लेखिकाओं से संवाद करते हुए पत्रकार निष्ठा गौतम हिंदी साहित्य के गूढ़ अर्थ को समझने का प्रयास करेंगी।

एक अन्य सत्र में, संस्कृत के विद्वान और सर्वान्तेस इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर, ऑस्कर पुजोल, भारत में पोलैंड के एम्बेसडर, एडम बुराकोव्सकी और लेखक और भारतीय राजनयिक, अभय के साथ दिखाई देंगे, जहाँ यूरोप में हिंदी की लोकप्रियता पर चर्चा होगी।

फेस्टिवल में एक सत्र इंटरनेशनल बुकर प्राइज विजेता गीतांजलि और उनकी अनुवादक डेजी रॉकवेल के नाम रहेगा। सत्र संचालन साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार विजेता तनुज सोलंकी करेंगे। सत्र का फोकस हिंदी के मूल उपन्यास 'रेत समाधि' पर रहेगा और उसके माध्यम से कहानी कहने की प्रयोगात्मक कला, विषयांतर और वृद्ध नायिका के नजरिये से विभाजन को समझा जायेगा।

हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओँ में चौथे स्थान पर है। प्रत्येक स्थान पर, स्थानीय शब्दों और लहजे ने हिंदी का एक नया ही रूप गढ़ लिया है। भाषा और अनुभव का ये विस्तार उन लेखकों के कार्य में नज़र आता है, जो हमेशा कुछ नया गढ़ने के लिए तैयार रहते हैं। साहित्य के इस महाकुम्भ में, उपन्यासकार अनामिका, इंटरनेशनल बुकर प्राइज विजेता गीतांजलि , लेखक नंद भारद्वाज, और पुष्पेश पंत से 'एक हिंदी अनेक हिंदी' नामक सत्र में संवाद करेंगे जाने-माने कवि, संगीत और सिनेमा के विद्वान यतीन्द्र मिश्र। बुक लॉन्च सेक्शन में, लेखिका, धरती के सबसे बड़े साहित्यिक उत्सव की को-डायरेक्टर और फाउंडर नमिता गोखले और अनुवादक पुष्पेश पंत और प्रभात रंजन से संवाद करेंगी प्रकाशक अदिति महेश्वरी गोयल। इस अवसर पर टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और फेस्टिवल के प्रोड्यूसर, संजॉय के. रॉय; प्रसिद्ध लेखक, इतिहासकार और फेस्टिवल के को-डायरेक्टर, विलियम डेलरिम्पल और वाणी प्रकाशन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर और वाणी फाउंडेशन के चेयरमैन, अरुण महेश्वरी। लोकार्पण के बाद गोखले की दिलचस्प किताब 'जयपुर जर्नल' के मज़ेदार हिंदी अनुवाद 'जयपुरनामा' पर चर्चा की जाएगी। फेस्टिवल के बेकड्रॉप पर आधारित यह उपन्यास मानो श्रोताओं के दिल की बात बयां कर देता है।

आरएलपी आज करेगी प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में पेपर लीक मामलो को लेकर मंगलवार को सुबह 11 बजे से जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सभा करके प्रदर्शन करेगी। पार्टी प्रमुख व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि विगत दस वर्षों में एक दर्जन से अधिक भर्ती परीक्षाओं को पेपर लीक होने के कारण रद्द करना पड़ा, सांसद ने रीट, हाल ही में वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा, जेईएन सहित कई भर्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार में बैठे जिम्मेदारों के संरक्षण के कारण पेपर लीक करवाने वाले माफिया और नकल गिरोह पनप गए और भाजपा व कांग्रेस दोनो दलों की सरकारों ने कभी भी मुख्य अभियुक्तों पर हाथ नही डाला। बेनीवाल ने कहा ऐसे मामलों की सीबीआई जांच को लेकर राजधानी में शहीद स्मारक पर लोकतांत्रिक रूप से बड़ा प्रदर्शन किया जायेगा।

सीएम हाऊस घेरने निकले डॉक्टर्स को पुलिस ने रोका

जयपुर (कासं)। चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा की सीटें 1765 से बढ़ाकर 4500 करने की मांग को लेकर सैकड़ों डॉक्टर्स ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन से मुख्यमंत्री आवास तक रैली निकालनी चाही, लेकिन पुलिसकर्मियों की सख्ती के कारण इसे शहीद स्मारक ले जाना पड़ा।

ऑल राजस्थान एमबीबीएस डॉक्टर्स एसोसिएशन के छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. विनोद बागड़ा ने बताया कि सैकड़ों चिकित्सकों ने रैली निकाली तो पुलिसकर्मियों ने मारपीट व धक्का-मुक्की कर हमें रोकने की कोशिश की। इसके बाद डॉक्टर्स अपनी रैली का रूट बदलकर एम.आई.रोड स्थित शहीद स्मारक पहुंचे। जहां पर डॉ. महेश, डॉ. राकेश, डॉ. अविनाश, डॉ. वीणा गडवाल, डॉ.अजय मील, डॉ.दिनेश, डॉ. कविता, डॉ. पी.के.यादव, डॉ. सोहनलाल, डॉ. धीरज, डॉ. आशीष, डॉ. बनवारी और डॉ. अंकित ने शांतिपूर्ण तरीके से हमारी मांगों को रखा। रैली के दौरान डॉक्टर्स ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को पुरजोर उठाया।

डॉ. विनोद बागड़ा ने बताया कि डॉक्टर्स के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात संयुक्त सचिव निमिषा गुप्ता से हुई। उनका कहना है कि वित्त विभाग और मुख्यमंत्री सीं बढ़ा सकते है, अभी खाली सीटें है। ऐसे में अब हम वरिष्ठ आईएएस अखिल अरोड़ा और चिकित्सा मंत्री से मुलाकात करेंगे। डॉक्टर्स की रैली मंगलवार सुबह 9 बजे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से त्रिमूर्ति सर्किल तक निकाली जाएगी। जब तक राज्य सरकार हमारी मांगों को नहीं मान लेती, तब तक हमारा उग्र आंदोलन जारी रहेगा।

जयपुर में पिछले तीन दिन से कोई भी नया करोना संक्रमित नहीं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिन से करोना संक्रमण का एक भी नया मामला सामने नहीं आया है। वहीं राज्य में सोमवार को केवल एक ही नया संक्रमित मिला है। इस बीच दो और मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर पांच रह गए हैं।

प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से करोना संक्रमण के एक-दो मामले ही सामने आ रहे हैं। इसके चलते राज्य में सोमवार को भी केवल सीकर में ही 1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया था। इधर राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिन से संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। जयपुर में कोविड की तीनों लहरों के बाद यह पहला मौका है जब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है। राज्य में सोमवार को 2 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 5 रह गए हैं। इनमें से 2 मरीजों का इलाज उदयपुर में चल रहा है।

सड़क सुरक्षा अभियान में हरी झंडी दिखाकर ऑटो रैली रवाना की

जयपुर, (का.सं.)। रामबाग सर्किल स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल में आज सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एडिशनल डी.जी.पी. साउथ राजेन्द्र सिंह सिसोदिया व मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक जज (ए.डी.जे.) अशकाराव व स्कूल प्रिंसिपल कमलजीत यादव ने हरी झंडी दिखाकर ऑटो रैली रवाना की। जिसमे अनेक बालवाहिनी शामिल थी। यह रैली सुबोध पब्लिक स्कूल से रवाना होकर जे.डी.ए व त्रिमूर्ति चौराहा, नारायण सिंह सर्कल से पुन: स्कूल तक पहुँची। वाहनों पर यातायात नियमों के

- **रोड सेफ्टी अवेयरनेस सैशन में स्कूली छात्रों को जागरुक किया**

स्लोगन द्वारा आम जनता में यातायात नियमों का पालन करने हेतु संदेश दिया गया। यह रैली लोगों को यातायात नियमी के प्रति जागरूक करने के लिये निकाली गई।

अभियान के तहत जयपुर यातायात पुलिस ने स्कूली विद्यार्थियो को जागरूक किया। जिसमे रोड सेफटी अवेयरनेस सैशन में पुलिस विभाग की ओर से यातायात सुरक्षा अभियान आयोजित किया गया। इसमे राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, एडिशनल डी.सी.पी (साउथ) पुलिस निरीक्षक यातायात (शिक्षा) प्रवीण कुमारर ,अब्दुल सलीम सहायक पुलिस उपनिरीक्षक और प्रेमसिंह ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा तथा यातायात के नियमों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में संविधान उद्यान के भ्रमण के लिए ऑनलाइन विजिटर बुकिंग प्रणाली का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इसके साथ ही, राजभवन में निर्मित संविधान उद्यान अब राजभवन की वेबसाइट पर दिए गए लिंक से अग्रिम बुकिंग करवा कर आम दर्शकों द्वारा भ्रमण के लिए खोल दिया गया है। उद्यान का भ्रमण सप्ताह में दो दिन शुक्रवार और शनिवार को किया जा सकेगा।

कार्यपालक निदेशक राजेंद्र शर्मा का हुआ सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा ने राजेंद्र शर्मा कार्यपालक निदेशक, राज्य वित्त निगम, उद्योग भवन का उत्कृष्ट कार्य के लिए साफा एवं भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान मंजू शर्मा ने कार्यपालक निदेशक राजेंद्र शर्मा द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस दौरान ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, जिला महासचिव बनवारीलाल शर्मा, गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी कैप्टन श्रीराम शर्मा, सदस्य एवं चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

नकल, ड्रग और भू-माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा : डीजीपी

राज्य सरकार से भी कानून सख्त बनाने का आग्रह करेंगे : उमेश मिश्रा

जयपुर (कासं)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि राजस्थान में नकल, ड्रग व भू-माफियाओं को नहीं बख्शा जायेगा। तमाम माफिया व गिरोह पर पुलिस चौतरफा वार करेगी। इन पर अंकुश लगाने के लिए कानून को और सख्त बनाने का आग्रह राज्य सरकार से करेंगे। डीजीपी सोमवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पुलिस की गत वर्ष की उपलब्धियों, कार्यों, नवाचार, योजनाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि साईबर अपराधी, नशीले पदार्थ व हथियार तस्करों, आदतन अपराधियों और भू-माफियाओं पर कड़ी निगरानी व कठोर कानूनी कार्यवाही करना पुलिस की प्राथमिकता है। तमाम माफियाओं पर चौतरफा वार करेंगे। विशेषकर महिलाओं-बच्चों, कमजोर वर्गों की सुरक्षा व उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए पुलिस थानों में जन-केन्द्रित सुविधाओं, स्वागत कक्ष का विकास एवं जन सुनवाई के निश्चित समय की व्यवस्था की गई।

उमेश मिश्रा ने कहा कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिसकर्मियों की तकनीकी कार्य-दक्षता बढ़ा रहे हैं। पुलिस की सजगता से प्रदेश में बदमाशों पर शिकंजा कसा है। चाहे उदयपुर मे कन्हैयालाल की हत्या एवं उससे जुड़ी कानून व्यवस्था हो या जावर माईन्स के औड़ा गांव रेल्वे लाईन को अज्ञात बदमाशों द्वारा

डीजीपी उमेश मिश्रा (दायें से दूसरे) ने सोमवार को पत्रकारों से रूबरू होकर गत वर्ष की पुलिस की उपलब्धियों व कार्यों की जानकारी साझा की।

- **डीजीपी ने कहा कि ''राजस्थान में रेप के 42 प्रतिशत केस झूठे होते हैं। दूसरे राज्य रेप जैसे मामले में या तो केस दर्ज नहीं करते या जांच सही से नहीं करते।''**
- **''वर्ष 2018 में दुष्कर्म के 30.5 प्रतिशत मामले कोर्ट के माध्यम से दर्ज होते थे, जो घटकर मात्र 14.4 प्रतिशत रहे''**

विस्फोटक से उडाने की सनसनीखेज घटना हो या बीमा राशि के लालच में षडयन्त्रपूर्वक दुर्घटना का रूप देकर अपनी पत्नी साले की हत्या करने का गंभीर मामला हो या फिर राजू ठेठ की हत्या का मामला हो, पुलिस ने तमाम मामलों का शीघ्र खुलासा किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में रेप के 42 प्रतिशत केस झूठे होते हैं। वहीं, देश में ये संख्या 8 प्रतिशत पर है। दूसरे राज्य रेप जैसे गंभीर मामले में या तो केस दर्ज नहीं करते अथवा जांच सही से नहीं करते। इसका लाभ कई बार अपराधियों को मिलता है। राजस्थान में पुलिस को स्पष्ट निर्देश है कि केस दर्ज होने में कोई ढील नहीं होनी चाहिए। झूठा प्रकरण होगा तो एफआर दी जाएगी। झूठा केस दर्ज करवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साल 2022 में पिछले साल की तुलना में झूठे मुकदमें करवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में कुल 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नाबालिग बच्चियों के साथ रेप के मामले में राजस्थान का 12वां स्थान है। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु हैं। पेंडिंग मामले में राष्ट्रीय एवरेज 24.9 है, जबकि राजस्थान की 10.4 है। सजा प्रतिशत राष्ट्रीय औसत 32.0 है, जबकि राजस्थान की 48.0 है।

मिश्रा ने कहा कि परिवादी को न्याय दिलाने के लिए जून 2019 से निर्बाध पंजीकरण को राजस्थान सरकार ने महत्ता दी। इस नवाचार के अब सकारात्मक परिणाम भी मिले है। जैसे वर्ष 2018 में दुष्कर्म के 30.5 प्रतिशत मामले कोर्ट के माध्यम से दर्ज होते थे, जो अब घटकर मात्र 14.4 प्रतिशत रह गए है। पंजीयन आंकडा बढ़ने की आलोचना का पूर्वाभास होने के बावजूद भी हमनें निर्बाध पंजीकरण की नीति को दरकिनार करने की नहीं सोची बल्कि और अधिक मजबूत करने के लिये ही, इसके लिए वर्ष 2020 से 2022 तक 45 डि-कॉय ऑपरेशन किये कि थानों में निर्बाध एफआईआर हो रही है या नहीं। साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में एफआईआर पंजीयन की सुविधा को मजबूत किया।

सार-समाचार

बेटियों ने शतरंज में दिखाया दम

भीण्डर, (निसं)। स्कूली खेल गतिविधियों में पहली बार शामिल किये गये शतरंज के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छात्रा वर्ग की उदयपुर टीम में भीण्डर की दो बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए टीम को राज्य स्तर पर तीसरा स्थान दिलाने में कामयाब रही। इससे पहले जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी इन बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया था। भीण्डर के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा आर्ची मुणेत व हिमांगी चौबीसा का 66 वीं राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए 14 वर्षीय वर्ग की उदयपुर टीम में चयन हुआ था। 10 से 15 जनवरी तक दौसा जिले के बांदीकुई में दिल्ली पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में 14 वर्षीय छात्र-छात्रा वर्ग राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें उदयपुर छात्रा वर्ग टीम में भीण्डर की आर्ची मुणेत, हिमांगी चौबीसा के साथ लोरिशा कोठारी, विहाना कोठारी, गरिमा राठौड की कुल 5 सदस्यी टीम ने भाग लिया। जिसमें आर्ची मुणेत ने 9 राउण्ड में से 7 राउण्ड जीते तो हिमांगी चौबीसा, लोरिशा कोठारी, विहाना कोठारी ने 9 राउण्ड में से 6-6 राउण्ड जीते, गरिमा राठौड 9 में से 4 राउण्ड जीतने में कामयाब रही। इसके साथ ही उदयपुर टीम ने तीसरा स्थान हासिल करने में कामयाब रही। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 30 जिलों से 268 खिलाडियों ने भाग लिया। जिसमें भीलवाडा टीम प्रथम, बीकानेर टीम द्वितीय व उदयपुर टीम तृतीय स्थान पर रही।

हादसे में तीन युवक गंभीर घायल

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-8 पर एक तेज रफ्तार बाइक फिसलने से 3 युवक गंभीर घायल हो गए। हादसे में 2 युवकों के पैर कटकर अलग हो गए है, जबकि एक युवक के सिर और शरीर पर कई जगह चोटें आई है। तीनो घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां से गंभीर हालत में उदयपुर रेफर कर दिया गया। थानाधिकारी ने बताया कि शैलेश पुत्र प्रेमशंकर भगोरा निवासी आमझरा, मनोज 24 पुत्र रमेश कटारा निवासी बरौठी और राहुल पुत्र मनजी कटारा निवासी बरौठी किसी काम से बिछीवाडा में आए थे। रविवार देर शाम को तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे-8 पर बरौठी पेट्रोल पंप के सामने उनकी बाइक फिसल गई और सडक के साइड में लगी पटरी में जोर से टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और राहुल कटारा और मनोज कटारा का एक-एक पैर घुटनों के नीचे से कट गए। शैलेश के भी सिर, हाथ-पैर और शरीर में कई जगह चोटें आई। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे की एंबुलेंस के ड्राइवर बाबूलाल परमार, नर्सिंग स्टाफ अशोक खराडी और जितेंद्र मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को डूंगरपुर हॉस्पीटल लेकर आए। तीनों की हालत गंभीर होने पर राहुल और मनोज के कटे पैरों को बर्फ में रखकर उदयपुर रेफर कर दिया।

शपथ ग्रहण समारोह आज

डूंगरपुर, (निसं)। बार एसोसिएशन डूंगरपुर के वर्ष 2023 के नव नियुक्त अध्यक्ष, महासचिव एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को वागड गांधी वाटिका हॉल नवा महादेव डूंगरपुर में होगा। मिडिया प्रभारी एडवोकेट प्रकाश पटेल ने बताया कि बार ऐसोसिएशन डूंगरपुर के वर्ष 2023 के नवनियुक्त अध्यक्ष एडवोकेट विवेक दीक्षित, महासचिव कन्हैयालाल पाटीदार एवं कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह वागड गांधी वाटिका हॉल नवामहादेव डूंगरपुर में सांय 6.30 बजे सम्पन्न होगा, जिसमें मुख्य अतिथि जिला एवं सेशन न्यायाधीश भंवरलाल बुगालिया, अध्यक्ष जिला कलेक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री तथा विशिष्ठ अतिथि राज्य मंत्री अध्यक्ष राजस्थान राज्य अनुसुचित जाति वित्त एवं विकास आयोग राजस्थान सरकार डॉ.शंकर यादव, पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा, पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा एवं सभापति नगर परिषद् अमृतलाल कलासुआ होंगे।

दुष्कर्मी को 10 साल की सजा

डूंगरपुर, (निसं)। स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने एक नाबालिग के किडनैप और रेप के मामले में सोमवार को फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दोषी को 10 साल कारावास की सजा सुनाने के साथ ही 1 लाख 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने मामले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पीडित प्रतिकर दिलाने की अनुशंषा की है। सरकारी वकील योगेश जोशी ने बताया कि 1 नवंबर 2020 को दोवडा थाने में एक नाबालिग के पिता ने शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उसने बताया कि उसकी बेटी रात को घर पर ही थी,लेकिन सुबह नही मिली। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए उदयपुर जिले के कुराबड निवासी राज उर्फ राजकुमार सहित उसके 1 अन्य साथी को नामजद किया। पुलिस ने पीडिता को कानोड से छुडाया और आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ चार्जशीट पेश की। सरकारी वकील ने बताया कि पीडिता ने अपने बयानों में बताया था कि उसे राजकुमार बाइक पर बैठा कर कानोड ले गया था और 15 दिन तक बंधक बनाकर रोजाना उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। सोमवार को मामले की सुनवाई पूरी करते हुए स्पेशल पोक्सो कोर्ट ने राजकुमार को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया।

नि:शुल्क बस सुविधा

डूंगरपुर, (निसं)। नगर के सभी धर्म प्रेमियों को सूचित किया जाता है कि पूज्य गिरी बापू की शिव कथा सागवाडा नगर में आयोजित हो रही है। इस कथा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने के उद्देश्य से पूर्व सभापति एवं पूज्य गिरी बापू के परम शिष्य केके गुप्ता द्वारा डूंगरपुर नगर वासियों के लिए बस की सुविधा निशुल्क रखी गई है जो 17 जनवरी मंगलवार से दोपहर 12:30 बजे गैप सागर की पाल से रवाना होगी और सागवाडा नगर के निकट ही कथा स्थल पर पहुंचेगी।

अभियान चलाकर 1500 विद्यार्थियों को स्वेटर बांटे

राजसमंद, (निसं)। माहेश्वरी समाज के श्री महेश युवा प्रगति मंच की ओर से चलाए गए अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र की विभिन्न आदिवासी बस्तियों में निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों के 1500 बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए ऊनी स्वेटर वितरण किए।

संस्थान सदस्य लक्ष्मीलाल ईनाणी ने बताया कि बीते एक माह से चल रहे स्वेटर वितरण अभियान के तहत पांच चरणों में कुंभलगढ, रेलमगरा, फरारा सहित क्षेत्र की कई बस्तियों एवं राजकीय विद्यालयों व छात्रावासों में ये स्वेटर बांटे गए। युवा मंच सचिव महेश गग्गड ने बताया कि कंपकंपाती सर्दी में आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र के गरीब बच्चे स्वेटर व टोपी के अभाव में विद्यालय जाने से कतराते है जिससे उनका शिक्षण प्रभावित होता है। इसे देखते हुए युवा मंच ने सहयोग का संकल्प लिया। इसके लिए मंच की ओर से ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे जरूरतमंद बच्चों की सूची तैयार कर उसके आधार पर कुल 1500 स्वेटर एवं टोपी वितरित की गई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में कुंभलगढ क्षेत्र की माध्यमिक विद्यालय देवडो की भागल, ब्राह्मणों की भागल आरेट में स्वेटर बांटे गए। इसमें समाज के गोपाल गट्टाणी, महेश पोरवाल, लोकेश कोगटा, महेश गग्गड, अनीष मंत्री, अभिषेक न्याति, विष्णु मंत्री, रूचित असावा, अभिषेक सोमानी, राहुल करनाणी, राहुल मून्दडा आदि ने व्यवस्था में सहयोग दिया। युवा मंच के अध्यक्ष लोकेश कोगटा ने बताया कि इस दौरान युवा मंच की टीम कई दुर्गम क्षेत्रों में भी पहुंची एवं बस्तियों व विद्यालयों में स्वेटर बांटे। द्वितीय चरण में स्व. श्रीमती किरण माहेश्वरी की स्मृति में विधायक दीप्ति माहेश्वरी के सान्निध्य में गाडरियावास, राजनगर स्थित जागृति स्कूल में मूक बधिर छात्रों को, धोइन्दा क्षेत्र के राजकीय अम्बेडकर बालक छात्रावास, राजकीय सावित्रीबाई फूले अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास, कुरज, गिलूण्ड एवं रेलमगरा क्षेत्र के अम्बेडकर छात्रावास, कुरज, राजकीय अम्बेडकर छात्रावास, डॉ भीमराव अम्बेडर छात्रावास रेलमगरा, राउमावि सोनियाणा में भी जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर एवं टोपी बांटे गए। अंतिम चरण में भाणा क्षेत्र के मण्डावर, जूणदा खेडी, फरारा क्षेत्र के चिंतामणी का मादडा, मेंगटियां कला, रेबारियों की ढाणी एवं सथाना स्कूल मे भीं बच्चों को स्वेटर एवं टोपी बांटे गए। इस दौरान युवा टीम में मंच कोषाध्यक्ष अनिष मंत्री, अंकित मून्दडा, राकेश काबरा, अनुज मालू, बादल बियानी, अंषुल काबरा आदि शामिल थे।

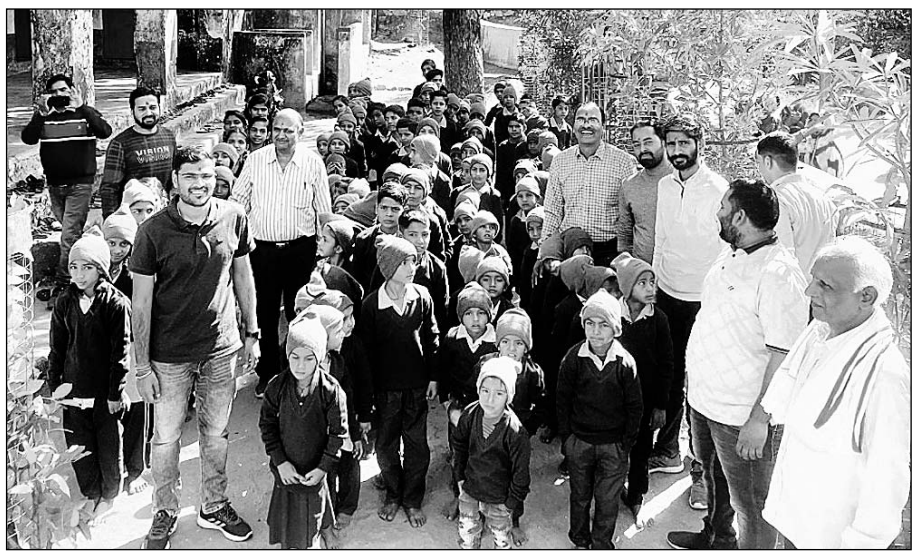

श्री महेश युवा प्रगति मंच के पदाधिकारारियों ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किये।

बैठक आयोजित

भीम, (निसं)। रावत राजपूत सुधार समिति चोबीस गांव काछबली मासिक बैठक मंडावर में महादेव मंदिर के प्रांगण में उप प्रधान नारायणसिंह चौहान बगड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सामूहिक विवाह सम्मेलन 28 फरवरी को वैर का चौडा काछबली में आयोजित कराने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। सम्मेलन की तैयारियां हेतु विवाह समिति के अध्यक्ष मिट्ठूसिंह पटवारी एवं अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सुनिश्चित की गई। सम्मेलन में आर्थिक सहयोग के लिए बगड़ निवासी नारायणसिंह अध्यक्ष ने एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए नारायणसिंह, मंडावर निवासी पटवारी मिट्ठूसिंह ने ग्यारह हजार की घोषणा की।

जेल कार्मिकों की भूख हड़ताल जारी

बांसवाड़ा, (निसं)। वेतन विसंगति को लेकर जेल कार्मिकों द्वारा किये जा रहे मेस बहिष्कार एवं भूख हडताल के चौथे दिन जिला कारागृह के एक प्रहरी एवं कुशलगढ जेल के पांच सिपाहियों को हालत बिगडने पर चिकिसात्लय में भर्ती करवाया गया।

ध्यान रहे कि ये कार्मिक वर्ष 2017 में सरकार के साथ हुए समझौते को लागू करने की मांग कर रहे हैं। इन लोगों ने बताया कि कारागार विभाग में प्रहरी से मुख्य प्रहरी पद का वेतनमान 1998 तक पुलिस विभाग के कांस्टेबल व हेड कांस्टेबल के समान था लेकिन वित्त विभाग ने मार्च 1998 में पुलिस विभाग कार्मिकों का वेतनमान संशोधित किया जिससे जेल विभाग के कार्मिकों के वेतनमान में असमानताएं हुई है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड ने बताया कि 2017 में जेल कार्मिकों ने मैस का बहिष्कार कर भूखे रहते हुए ड्यूटी की थी जिसके बाद राज्य सरकार से 2017 में लिखित समझौता हुआ कि जेल कार्मिकों का वेतन पुलिस विभाग के समान किया जायेगा लेकिन इसकी आज तक पालना नहीं हुई है। 13 जनवरी से कर्मचारी महासंघ एकीकृत के बैनर तले राज्य में समस्त जेलकार्मिक मैस का बहिष्कार कर अन्न का त्याग कर ड्यूटी निर्वहन कर रहे हैं।

कॉलेज में नि:शुल्क कोचिंग कक्षाएं शुरू

बांसवाड़ा, (निसं)। श्री गोविन्द गुरू राजकीय महाविद्यालय में संचालित जनजातीय अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में महाविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थीयों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये आयोजित नि:शुल्क कोचिंग कक्षाओं के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी प्रकाश चन्द्र रैगर एवं विशिष्ट अतिथि जिला रसद अधिकारी एचएल आलोरिया रहें। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा भूपेंद्र ने की।

प्रारंभ में जनजातीय अध्ययन केन्द्र के संयोजक प्रो. दिनेश रावत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि टीएससी में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीयन करवाया है जिनके लिए महाविद्यालय में टीएससी द्वारा पहली बार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये नि:शुल्क कोचिंग कक्षाए शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरएएस, आईएएस तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए फैकल्टी द्वारा नि:शुल्क कक्षाओं में अध्ययन करवाया जायेगा। टीएससी के समस्त कार्यक्रमों में प्रतिभावान छात्र-छात्राए सैकडो की तादात में भागीदारी सुनिश्चित कर लाभांवित हो रहे हो। मुख्य अतिधि रैगर ने अपने उदबोधन में छात्रों को स्वयं की पारिवारिक व आर्थिक स्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि लक्ष्य हासिल करने के लिए आर्थिक स्थिति आडे नहीं आती है। उन्होंने कहा कि वागड क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है वरन् सही मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है ताकि यहां के विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं में आ सके। उन्होंने विद्यार्थीयों के साथ संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं तथा उत्सुकताओ को समझकर उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिये उन्हे प्रेरित किया। उन्होंने एक छात्र व छात्रा लिम्बाराम और सोनी सालेडिया से संवाद करते हुए उनकी पारिवारिक स्थिति जानकर उन्हें सफलता के मार्ग की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला रसद अधिकारी आलोरिया ने विद्यार्थीयो को लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम, तपस्या व समर्पण के साथ तैयारी करने पर बल दिया। उन्होंने अपने जीवन के विभिन्न उदाहरण देकर बताया कि प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिये धैर्य, समय प्रबंधन, प्रतिबद्धता का होना अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. सीमा भूपेन्द्र ने कविताओं के माध्यम के विद्यार्थीयो को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के गुर बताये। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. किरण पूनिया, डॉ. रामरज सिंह, डॉ अंजना रानी, डॉ प्रीति आमेटा, डॉ. लीना पूरोहित, डॉ. अजरा परवीन, डॉ. शफकत राणा, डॉ. रतनपाल डोडियार, डॉ. अर्पित पाठक, डॉ. नीरज श्रीमाली, डॉ. प्रवीण मीणा, डॉ. प्रकाश किंकोड, डॉ. आलोक जैन, डॉ. सचिन दीक्षित, डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. किंशुक शर्मा, अभिषेक सिंह आदि मौजूद रहे।

गोविन्द गुरू राजकीय महाविद्यालय में नि:शुल्क कोचिंग कक्षाओं का शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित उपखंड अधिकारी प्रकाश चन्द्र रैगर आदि ने संबोधित किया।

सार-समाचार

छात्रसंघ पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा

भीम, (निसं)। कस्बे के सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय छात्र संघ उपाध्यक्ष हरभजनसिंह, महासचिव गजेंद्रसिंह संयुक्त सचिव भावना कुमारी आदि ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर महाविद्यालय के विकास की मांग की। उपाध्यक्ष हरभजनसिंह ने बताया कि महाविद्यालय में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की मूर्ति स्थापना, द्वितीय मंजिल पर पेयजल व्यवस्था, वाहन पार्किंग की व्यवस्था आदि को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कुएं में मिला युवक का शव

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चितरी थाना क्षेत्र के झोसावा गांव में एक कुएं में युवक का संदिग्ध हालत में शव मिला है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इधर परिजनों ने युवक की मौत पर हत्या की आशंका जताई है। बांसवाडा से एफ एसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाएं जा रहे है। वही चितरी थाना पुलिस घटना को लेकर जांच में जुट गई है। वही ऐतिहात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। चितरी थानाधिकारी गोविंद सिंह ने बताया की झोसावा भाटूडिया फला निवासी 45 वर्षीय देवा पुत्र गांगा खाट शनिवार को काम के लिए अपने घर से निकल गया था। देवा मजदूरी का काम करता है। लेकिन शनिवार देर शाम तक देवा घर वापस नही लौटा। देवा के घर नही लौटने पर परिवार के लोग उसकी खोजबीन कर रहे थे। लेकिन उसका कोई पता नहीं लग पा रहा था। कल रविवार शाम के समय गांव के ही एक कुएं में देवा का शव संदिग्ध हालत में मिला। उसे देख आसपास गांव के लोग इकट्ठे हो गए। घटना की सूचना पर चितरी थानाधिकारी गोविंद सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। लेकिन अंधेरा हो जाने से शव कुएं से नही निकल पाया। वही आज सुबह परिजन व पुलिस मौके पर वापस पहुंचे। इधर इसके बाद पुलिस ने शव को कुए से बाहर निकाला। इधर शव को देखकर परिजनों ने देवा की मौत पर हत्या की आशंका जताई है। परिजनों ने देवा की हत्या कर शव को कुएं में फैंकने के आरोप लगाए। इस पर पुलिस ने बांसवाडा से एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया। एफ एसएल की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी और मौके से सबूत जुटाए। इसके बाद पुलिस ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया और शव को कुएं से बाहर निकालकर चितरी अस्पताल के मोर्चरी में शिफ्ट करवाया। इधर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वार्षिकोत्सव में दी प्रेरक प्रस्तुतियां

बांसवाड़ा, (निसं)। कुशलगढ के अशीर्वाद पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम उडान 2023 में कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रेरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय फाउंडर व सदस्यों के साथ दिगम्बर समाज के अध्यक्ष जयंतीलाल सेठ ने दीप प्रज्जवलन कर किया। सेठ ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां आत्मविश्वास से परिपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में छिपी हुई क्षमताओं को निखारने का दायित्व शिक्षकों एवं अभिभावकों का है। उन्होंने कहा कि अभिभावक यदि समय-समय पर अपने बच्चों के बारे में शिक्षकों से जानकारियां लेते रहें तो निश्चित रुप से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि समाजसेवी राजेन्द्र मेहता एवं केमिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मनोज सेठ ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन बेहतर शिक्षा के लिये हर संभव प्रयास कर रहा है। द्वय वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक होते हैं। विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, सर्वधर्म नाटिका मंचन, सेव वाटर थीम पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

सर्द हवाओं के आगोश में ठिठुरा शहर

डूंगरपुर, (निसं)। पिछले सप्ताह भर से लगातार सर्दी के तेवर बरकरार रहने से सामान्य जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है और दो दिन की धूप के बाद सोमवार को सवेरे तो एक बार घने काले बादलो से आकाश आच्छादित हो गया था, लेकिन जैसे ही हल्की धूप बादलों के बीच से खिलकर आई तो पहाडों पर धूंध का घना कोहरा इस कदर छा गया कि पहाडी भू-भाग ओझल होने लगा। विगत कई दिनों से सर्दी के तेवरो में उतार चढाव से आम आदमी नाना प्रकार के रोगों से ग्रसित हो रहा हैं तो वही शादी ब्याह समारोह में लगे परिजन सर्दी के तीखे तेवरों बेबस है। वही शादी समारोह में जाने से भी अब कुरेच करने लगे है। सोमवार को भी सवेरे से ही सर्द हवाओ ने मौसम को बेहद ठण्डा बना दिया और शाम ढलते-ढलते तो वहा का रूख तेज हो गया। इधर लगातार सर्दी के तेवरों के चलते बुजुर्ग वर्ग को खासी परेशानी हो रही है तो सामान्य काम-काज भी प्रभावित हो रहे है तथा शाम ढलने के साथ ही सडकों पर विरानी परस जाती हैं।

महालक्ष्मी मंदिर का पाटोत्सव आज

डूंगरपुर, (निसं)। श्री गौड प्रवालिया ब्रह्मण समाज के तत्वावधान में फौज का बडला स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर का एक दिवसीय पाटोत्सव मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। समाज अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार भट्ट ने बताया कि प्रात: गणेश मातुका एवं स्थापित देवों का पूजन ब्राह्मण वरण, स्वास्तिक पूण्यावाचन श्री याग, श्री सुक्त 1008 वाचन, माताश्री की राजोप्रचार पूजा, सहित विविध कार्यक्रमों एवं हवन कर ध्वजा परिवर्तन समाज जनों के सानिध्य में की जायेगी। तथा शाम को 5 बजे पूर्णाहुति एवं महाआरती का आयोजन होगा। जिसको लेकर समाज के उपाध्यक्ष उपेन्द्र पण्डया, सचिव खुशवंद दवे, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र भटट, भूपेन्द्र भटट, अनिल मेहता, रमेश व्यास, दीपक पण्डया सतीश पण्डया सहित समाज जन व्यापक तैयारियों को अन्तिम रूप देने में लगे हुए।

चौरासी विधानसभा क्षेत्र में वागड जोड़ो यात्रा के तृतीय चरण का शुभारंभ

डूंगरपुर, (निसं)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की ओर से देश में भारत जोडो यात्रा निकाली जा रही है, उसके समर्थन में अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व सचिव एवं पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा की ओर से चौरासी विधानसभा क्षेत्र में वागड जोडो यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दो चरण पूरे हो गए।

सोमवार को तीसरे चरण की शुरुआत गैंजी से की गई। इस मौके पर युथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा, पूर्व विधायक शंकर लाल अहारीए पूंजीलाल परमारए पूर्व प्रधान मंजुला रोतए निमिषा भगोरा सहित ने भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर निशाना साधा ओर कहा कि भाजपा सरकार देश में सरकारी संपत्ति को बेचने एवं औद्योगिक इकाइयों का निजी करण कर रही है। देश में जाति और धर्म के नाम पर सांप्रदायिक तनाव बढा रही है। भाजपा के राज में देश का युवा दर.दर भटक रहा है रोजगार के अभाव में लोगो का जीवनयापन करना मुश्किल हो रहा है। भगोरा ने कहा कि राज्य सरकार सीएम अशोक गहलोत के नेतृत्व में बेहतर कार्य कर रही है, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, पुरानी पेंशन योजना बहालए स्कूली बच्चों को नि:शुल्क पौशाक सहित जन कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को फायदा हुआ है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार फिर से बनेगी। इससे पूर्व वागड जोडो यात्रा 19 नवंबर को वीर काली बाई एवं शहीद नाना भाई खांट की कर्मस्थली रास्ता पाल से शुरू हुई थी जो गोविंद गुरु की जन्मस्थली बांसिया में पहला चरण पूरा हुआ था ओर दूसरा चरण गोविंद गुरु की कर्मस्थली धूनी मगरी धाम बांसिया से शुरू हुई एवं रतनपुरा में समापन हुई थी। सोमवार को तीसरा चरण गैंजी से शुरू हुआ और गोरादा, पाडली, झौथरी, नेगाला, करावाडा पहुंची। मंगलवार को करावाडा से निकल कर पीठ सलारेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी एवं तीसरा चरण पूरा होगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, पूर्व विधायक शंकरलाल अहारी, पूँजीलाल परमार, पूर्व उप जिला प्रमुख प्रेमकुमार पाटीदार, पूर्व प्रधान मंजुला रोत, मुश्ताक अहमद, मोहनलाल डामोर, पूर्व प्रधान निमिषा भगोरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वल्लभराम पाटीदार, ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश पाटीदार,बालगोविन्द पाटीदार, ऊर्मिला अहारी, अमृतलाल कलाल एब्लॉक अध्यक्ष मनोहरसिंह चौहान, मनोहर पटेल, सुरेश पटेल, संजय कलासुआ, जिला उपाध्यक्ष व पंचायत समिति सदस्य महेंद्र भगोरा, शंकरलाल आमलिया, भीमराज डामोरए लक्ष्मण रोट, शंकरलाल रोट, किशोरीलाल पाटीदार, अरविंद डामोर, गौतम लाल खराडी, जवानसिंह डामोर आदि मौजूद थे।इसीक्रम में डूंगरपुर विधायक गणेश घोगरा की पैदल यात्रा सोमवार को लोडवाडा ग्राम पंचायत गामडी अहाडा से शुरू हुई जो माडा पहुंची जहा सरपंच लक्ष्मण डामोर, उप सरपंच रमेश लबाना एवं ग्रामीणों ने फूल मालाओं से स्वागत किया।

पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा (बीच में) ने चौरासी वागड जोड़ो यात्रा के तृतीय चरण की शुरूआत की।

जयकार समाज विकास संस्था की बैठक आयोजित

राजसमंद, (निसं)। अखिल राजस्थान जयकार समाज विकास संस्था की प्रदेश महासमिति की बैठक संस्थापक अध्यक्ष बजरंगलाल जूटक के मुख्य अतिथि एवं प्रदेशाध्यक्ष भेरूलाल चारण की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि बजरंग लाल जूटक ने कहा कि वर्तमान में युवाओं में अनुशासन आवश्यक है। हमारे समाज को राव लगाने से नुकसान ही नुकसान है, मैंने मेरे सारे बालकों के नाम के साथ जयकार शब्द लगा रखा है। हमें समाज की एकता बनाए रखनी है।

सभाध्यक्ष भेरूलाल खरेलवा ने कहा कि संस्थाओं के संचालन के लिए हमें आर्थिक रूप से मजबूत लानी होगी। युवा प्रदेशाध्यक्ष परसराम पोरवाड ने कहा कि प्रदेश युवा शाखा के निर्देशन में हर वर्ष दिसंबर माह में समाज की खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करने की बात कही। प्रदेश महासचिव दुर्गालाल बारेठ ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से समाज की पत्रिका प्रकाशन करने एवं उसके लिए विज्ञापन की दरें तय की गई। बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष दुर्गालाल चौधरी भटियाणी ने वित्तीय वर्ष 22-23 का आय-व्यय प्रस्तुत किया। प्रदेश प्रवक्ता रवि मनावत ने बताया कि बैठक को भेरूलाल खरेलवा, छगनलाल सगदार, लादूलाल फोगा, दुर्गालाल चौधरी, परसराम पोरवाड, राधेश्याम सगदार, यशवंत चारण, महादेव बराला, रामनिवास गेगावत, सुगनचंद सीहोल, भेरूलाल लखावत, रमेशचंद्र बागडवा, शंकरलाल चौधरी, दुर्गालाल धूलिया, गोपाल लालावत, सुखदेव पोरवाड, जगदीश प्रसाद डागा, कैलाश बागडवा, चंद्रप्रभात सगदार, भेरूलाल रेवल, हेमंत सोपतका, जगदीश खेड, पूरणमल मानावत, रवि मनावत, संपत साथी, मुकेश खेड, नरेंद्र गेगावत, लादूलाल हालीमंगा, गोपाल चारण, श्यामलाल चौधरी, शोभालाल बराला, दुर्गालाल बराला, भेरूलाल धूलिया, सुनील बराला, मुकेश खेड, कुलदीप बारेठ, हनुमान गोरेर, राजकुमार रेवल, अमित डागा, संजय हालीमंगा ने संबोधित किया। आभार अतिरिक्त महासचिव भेरूलाल लखावत ने ज्ञापित किया।

समाज विकास को लेकर जयकार समाज विकास संस्था की प्रदेश महासमिति की बैठक आयोजित हुई।

मैं टी20 की आलोचना नहीं कर रहा लेकिन यह मेरा खेल नहीं है। हां, यह यहां है और यहां रहेगा। यह रोमांचक है और इसमें मजा भी है। जब आप किसी खेल में जाते हैं, तो आप आनंद लेना चाहते हैं। हां, यह देखना अच्छा है लेकिन यह ऐसा मुकाबला नहीं है जिसे मैं नियमित रूप से देखता हूं।" **–गॉर्डन ग्रीनिज**

वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर, टी-20 क्रिकेट को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कैरोलिनी मारिन

करियर को खतरे में डालने वाली दो बार घुटने की चोट किसी भी खिलाड़ी का हौसला तोड़ सकती है लेकिन ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन ने 'दर्द को स्वीकार' किया और हार मानने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया। ओलंपिक, विश्व और यूरोपीय चैंपियन मारिन को जनवरी में 2019 इंडोनेशियाई मास्टर्स फाइनल के दौरान अपने दाहिने घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट का सामना करना पड़ा था। उन्होंने 2020 में वापसी की और तोक्यो खेलों की तैयारी कर रही थी जब उन्हें एक और एसीएल का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

फ्रांस ने रोमांचक मुकाबले में द. अफ्रीका को हराया

भुवनेश्वर, 16 जनवरी। फ्रांस ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-ए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं।

कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विक्टर शारलेट ने सातवें मिनट में फ्रांस का पहला गोल किया, जबकि कॉनर ब्यूचैंप ने 15वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका के लिये गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन विक्टर ने आखिरकार 56वें मिनट में अपना और टीम का दूसरा गोल जमाकर फ्रांस को जीत दिलाई। फ्रांस दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ पूल-ए में तीसरे स्थान पर आ गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका दोनों मुकाबले हारने के कारण चौथे पायदान पर पहुंच गया है।

अपने पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से 0-8 से हारने वाली फ्रांस को क्वार्टरफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिये यहां हर हाल में जीत की जरूरत थी। वह छठे मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल करने से चूके लेकिन सातवें मिनट में विक्टर ने पेनल्टी पर गोल दागकर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। फ्रांस की मुश्किलें तब बढ़ीं जब दक्षिण अफ्रीका ने पहला क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले रेफरल पर पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और कॉनर ने उसे गोल में तब्दील कर दिया।

दूसरे और तीसरे क्वार्टर में फ्रांस ने चार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किये, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने एक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। दोनों ही टीमें हालांकि इन पर गोल नहीं कर सकीं। इस रोमांचक मुकाबले का निर्णायक पल मैच खत्म होने से चार मिनट पहले आया, जब फ्रांस ने दक्षिण अफ्रीका के अर्द्ध में प्रवेश

करके पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। विक्टर ने इस मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को नेट में दाग दिया और फ्रांस को आखिरी मिनटों में बहुमूल्य बढ़त दिला दी। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद गोलकीपर को हटाकर एक अतिरिक्त खिलाड़ी को फॉरवर्ड पंक्ति में उतारा, हालांकि वह इस कोशिश को परिणाम में नहीं बदल सके और फ्रांस ने मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

नीदरलैंड ने न्यूजीलैंड को 4-0 से रौंदा

राउरकेला, 16 जनवरी। नीदरलैंड ने कप्तान थिएरी ब्रिंकमैन की अगुवाई में फॉरवर्ड पंक्ति के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के ग्रुप-सी मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-0 से रौंद दिया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में ब्रिंकमैन (दूसरा, 12वां मिनट) ने विजेता टीम के लिये दो गोल किये, जबकि बिजेन कोएन (19वां) और होडमेकर्स जेप (54वां मिनट) ने एक-एक गोल दागा।

अपने पहले मुकाबले में चिली को 3-1 से हराने वाली न्यूजीलैंड के पास तीन बार की विजेता नीदरलैंड के हमलों का कोई जवाब नहीं था। डच टीम के कप्तान ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल करके टीम का आक्रामक रवैया साफ कर दिया। न्यूजीलैंड चौथे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सका, जबकि उनके कोच ग्रेग निकोल ने फॉरवर्ड पंक्ति में एक और खिलाड़ी बढ़ाने के इरादे से कुछ देर के लिये गोलकीपर को पिच से हटा लिया। ब्रिंकमैन ने इसका फायदा उठाया और 12वें मिनट में गोल दागकर नीदरलैंड की बढ़त दोगुनी कर दी।

दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में कोएन ने नीदरलैंड का तीसरा गोल किया, हालांकि इस क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने अपने गोलकीपर को वापस बुला लिया और मजबूत विपक्ष को कुछ देर के लिये शांत रखा। तीसरे क्वार्टर में कोई गोल न होने के बाद जेप ने चौथे क्वार्टर में स्कोर किया। जस्टिन ब्लोक के पास आखिरी क्षणों में पांचवां गोल करने का मौका था, हालांकि उनका प्रयास गोल के पास से निकल गया और स्कोर 4-0 ही रहा। नीदरलैंड ने दो मैचों में दो विजय हासिल कर पूल-सी में पहला स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन : जैक के जोश पर नडाल का अनुभव पड़ा भारी

मेलबर्न, 16 जनवरी। आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब को बरकरार रखने के लक्ष्य के साथ कोर्ट में उतरे स्पेन के स्टार खिलाड़ी राफेल नडाल ने सोमवार को इंग्लैंड के युवा होनहार जैक ड्रिपर को पहली लड़ाई में रोमांचक शिकस्त दी।

शीर्ष वरीय नडाल ने तीन घंटे से अधिक समय तक चले अपने पहले मुकाबले में ड्रिपर को 7-5, 2-6, 6-4, 6-1 से हराया। नडाल ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पुरूष एकल का खिताब 13 सालों के लंबे अंतराल के बाद हासिल किया था। उन्होंने यह खिताब उम्र में अपने से दस साल छोटे रूस के दानिल मेदवेदेव को हरा कर हासिल किया था। आज के मुकाबले में हालांकि नडाल को युवा जोश से लबरेज ड्रिपर ने तगड़ी चुनौती पेश की। पहले सेट में स्पेन के दिग्गज को कठिन चुनौती पेश करने के बाद ड्रिपर ने दूसरा सेट 2-6 से अपने नाम कर लिया।

हालांकि बाद के दो सेटों में नडाल ने इंग्लिश खिलाड़ी को अपने अनुभव से परिचित कराते हुए मुकाबला अपने नाम किया। नडाल को उनके पिछले सात में से छह मुकाबलों में हार मिली थी, जिसके बाद 36 वर्षीय खिलाड़ी आलोचकों के निशाने पर आ गये थे। अब तक 22 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी नडाल ने इस जीत के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन में न सिर्फ दमदार उपस्थिति दर्ज कराई बल्कि अपने आलोचकों को भी तगड़ा जवाब दिया।

पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण हार्दिक वेल्स के खिलाफ मुकाबले से लगभग बाहर

भुवनेश्वर, 16 जनवरी। भारत के अटैकिंग मिडफील्डर हार्दिक सिंह पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण वेल्स के खिलाफ एफआईएच हॉकी विश्व कप के टीम के आखिरी ग्रुप मैच से बाहर हो गए हैं। टीम के लिए टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वालों में से एक 24 वर्षीय हार्दिक ने स्पेन के खिलाफ भारत की 2-0 की जीत में एक गोल किया और फिर रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के दौरान कई मौके बनाए। राउरकेला में इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक को चोट लगी थी। मेजबान टीम गुरुवार को यहां वेल्स से खेलेगी। हालांकि उनकी स्थिति पर आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। टीम के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वैकल्पिक खिलाड़ी पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है और यह संभावना नहीं है कि टीम भविष्य में ऐसी मांग करेगी। हार्दिक का एमआरआई और अन्य स्कैन किए गए तथा यह भी पता चला है कि टीम प्रबंधन उसे वेल्स के विरुद्ध खिलाने के खिलाफ है क्योंकि ऐसी स्थिति में चोट बढ़ने की आशंका है। रविवार को जब खेल खत्म होने में महज तीन मिनट बचे थे तब हार्दिक लंगड़ा कर मैदान से बाहर चले गए थे। मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा था कि यह उतना गंभीर नहीं है जितना शुरू में संदेह था।

चोट का समय मुश्किल था, मगर अभ्यास नहीं छोड़ा : सिंधु

नयी दिल्ली,16 जनवरी। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने सोमवार को कहा कि चोट के कारण उनका जो समय कोर्ट से दूर गुज़रा वह मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इसके बावजूद अभ्यास करना नहीं छोड़ा। अगस्त 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में सिंधु की बाईं एड़ी फ्रैक्चर हो गयी थी। उन्होंने चोट के बावजूद फाइनल खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता, हालांकि इसके बाद वह करीब पांच महीने तक कोर्ट से दूर रहीं। सिंधु ने इंडिया ओपन 2023 से पूर्व यूनीवार्ता से कहा, मेरी चोट एड़ी में थी, बाकी शरीर ठीक तरह काम कर रहा था, तो मैं खड़े होकर स्ट्रोक्स का अभ्यास करती थी। उसके बाद काफी समय बच रहा था तो उसे मैंने परिवार के साथ बिताया।

उन्होंने कहा, ज़ाहिर है कि कुछ दिन घर में रही थी। मुझे हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ था, जिसमें काफी दर्द हो रहा था। डॉक्टर ने मुझे कुछ दिन आराम करने के लिये कहा। थोड़े दिन बाद मैं खड़ी हो पा रही थी, सो मैंने खड़े होकर स्ट्रोक्स अभ्यास करना शुरू किये क्योंकि मैं पैर को ज्यादा हिला नहीं सकती थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने इस साल के पहले टूर्नामेंट मलेशिया ओपन 2023 के जरिये कोर्ट पर वापसी की, हालांकि उन्हें पहले ही चरण में चिर-प्रतिद्वंदी स्पेन की कैरोलिना मारिन के हाथों 12-21, 21-10, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं चोट के बाद इस बात से खुश थी कि मैं अपना श्रेष्ठतम खेल दिखा सकी। वह मुकाबला तीन गेम तक चला, इसलिये मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट थी, क्योंकि चोट से लौटकर खेलना आसान नहीं होता।

विश्व कप मैचों में मेरा और पाठक का वैकल्पिक इस्तेमाल अच्छी रणनीति : श्रीजेश

राउरकेला, 16 जनवरी। अनुभवी पीआर श्रीजेश का मानना है कि उनके साथी भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक का मौजूदा हॉकी विश्व कप मैचों में वैकल्पिक क्वार्टर में उनकी जगह लेना कोच की अच्छी रणनीति है।

मुख्य कोच ग्राहम रीड ने स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ अब तक खेले गए पूल डी के दो मैच में वैकल्पिक क्वार्टर में श्रीजेश और पाठक का इस्तेमाल किया। श्रीजेश ने पहले और तीसरे क्वार्टर में भारतीय गोल संभाला जबकि पाठक ने मैच के दूसरे और चौथे क्वार्टर में ऐसा ही किया। श्रीजेश ने कहा, "हम विश्व कप के अगले चरणों के लिए एक साथ तैयारी करना चाहते थे। अगर कभी भी दो गोलकीपर में से किसी एक को कुछ होता है तो दूसरे को तैयार रहना होगा इसलिए यह एक अच्छी रणनीति है।"

इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, "हम क्वार्टर में अदला-बदली कर रहे हैं। उन्हें अनुभव मिल रहा है जबकि मेरे पास पर्याप्त अनुभव है। यह भविष्य के लिए अच्छी बात है।" भारत और इंग्लैंड दोनों ने मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर सके। इंग्लैंड को आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले और एक को भी गोल में नहीं बदला जा सका। भारत भी चार पेनल्टी कॉर्नर में से किसी पर भी गोल नहीं कर सका।

श्रीजेश ने कहा, "कहीं न कहीं, हमें इस पर गौर करने की जरूरत है कि हम क्या कर सकते हैं, हम पेनल्टी कॉर्नर या अन्य गोल स्कोरिंग अवसरों में क्या बदलाव कर सकते हैं। हमें इंग्लैंड के मैच से सीखना चाहिए और अगले मैच के लिए तैयार रहना चाहिए।" उन्होंने कहा, "वेल्स एक बहुत अच्छी टीम है, उन्होंने स्पेन को अच्छी टक्कर दी। हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी के अनुसार योजना बनाएंगे।"

ऑस्ट्रेलिया ने अर्जेंटीना से ड्रॉ खेला

भुवनेश्वर,16 जनवरी। तीन बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-ए मुकाबले में अर्जेंटीना के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में थॉमस डोनेल (18वां), मैको कसेलो (32वां) और मार्टिन फरेरो (48वां) ने अर्जेंटीना के लिये गोल किया, जबकि जेरेमी हेवर्ड (नौवां), डेनियल बील (29वां) और ब्लेक गोवर्स (57वां) ने ऑस्ट्रेलिया के गोल दागे। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में फरेरो के गोल से अर्जेंटीना ने सभी को हैरान करते हुए ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त बना ली थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने हार नहीं मानी और अंतत: गोवर्स के गोल से मुकाबला ड्रॉ पर खत्म करवाने में सफल रही। विश्व कप की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की सबसे सफल टीम अर्जेंटीना के बीच इस मुकाबले में शुरू से ही कांटे की टक्कर देखने को मिली। अर्जेंटीना को पांचवें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका वह फायदा नहीं उठा सका, जबकि जेरेमी ने नौवें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को ऑस्ट्रेलिया के लिये गोल में तब्दील किया। दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही अर्जेंटीना ने एक और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसपर थॉमस गोल करने में सफल रहे और स्कोर 1-1 से बराबर हो गया। फरेरो मार्टिन को 27वें मिनट में ग्रीन कार्ड देखकर दो मिनट के लिये पिच से बाहर जाना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने इसका फायदा उठाते हुए हाफ टाइम से ठीक एक मिनट पहले गोल कर दिया। अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को ज्यादा देर तक टिकने नहीं दिया और ब्रेक के बाद दूसरे मिनट में ही मैको ने फील्ड गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-एक पेनल्टी कॉर्नर व्यर्थ किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी क्वार्टर में मिले दोनों पेनल्टी कॉर्नरों का लाभ भी नहीं ले सका। फरेरो ने आखिरकार 48वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई अर्द्ध तक दौड़ लगाते हुए गेंद को नेट में दाग दिया। तीन बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 2-3 से पिछड़ चुकी थी और हार की कगार पर थी, लेकिन चैंपियन टीम ने आखिरी सीटी बजने तक हार न मानने वाला जज़्बा दिखाया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम मिनटों में गोलकीपर को हटाकर फॉरवर्ड पंक्ति में एक अतिरिक्त खिलाड़ी को तैनात किया। उन्हें इसका फल भी मिला और गोवर्स ने मैच खत्म होने से सिर्फ तीन मिनट पहले फ्री हिट अर्जित करके गेंद को गोली की तरह नेट के ऊपरी हिस्से में दे मारा। ऑस्ट्रेलिया ने अंतत: 3-3 का ड्रॉ खेलकर अर्जेंटीना से अंक बांटे। पूल-ए की तालिका में क्रमश: पहले और दूसरे पायदान पर विराजमान ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के पास चार-चार अंक हैं और दोनों ही सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की दावेदार हैं।

पंत ने दुर्घटना के बाद पहली बार किया ट्वीट

मुंबई, 16 जनवरी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचने के बाद पहली बार ट्वीट करते हुए सोमवार को कहा कि उनके घुटने की सर्जरी सफल रही है और अब वह ठीक हो रहे हैं। पंत ने ट्वीट किया, मैं सभी के समर्थन और शुभकामनाओं के लिये विनम्र और आभारी हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही। ठीक होना शुरू हो गया हूं और मैं आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हूं। पंत ने इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), सचिव जय शाह और प्रशासन की मदद के लिये उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपने चाहने वालों को संबोधित करते हुए कहा, अपने दिल की गहराई से, मैं अपने सभी प्रशंसकों, टीम के साथियों, डॉक्टरों और फिजियो को भी उनके शब्दों और प्रोत्साहन के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं। आप सभी को मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हूं। गौरतलब है कि पंत 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुड़की अपने घर जाते हुए सड़क दुर्घटना का शिकार हो गये थे। इस दुर्घटना में उनकी जान बच गयी, हालांकि उनके घुटने की तीनों लिगामेंट (मांस को हड्डी से जोड़ने वाली मांसपेशी) फट गयी थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें कुछ दिनों के लिये देहरादून के मैक्स अस्पताल में रखा गया, जिसके बाद बीसीसीआई उन्हें एयरलिफ्ट करके मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले आयी। यहां डॉ दिनशॉ पारदीवाला की निगरानी में उनके घुटने की सर्जरी हुई और अब वह ठीक होने के रास्ते पर हैं।

मलेशिया ने वापसी कर चिली को पस्त किया

राउरकेला, 16 जनवरी। मलेशिया ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-सी मुकाबले में चिली को 3-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं।

बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले के पहले हाफ में राज़ी रहीम (26वां मिनट) ने मलेशिया के लिए एकलौता गोल किया, जबकि जुआन अमोरोसो (20वां मिनट) और मार्टिन रॉड्रिगेज़ (29वां मिनट) ने गोल जमाकर चिली को 2-1 की बढ़त दिला दी थी। मलेशिया ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए अशरफ हमसानी (41वां) और नूरस्याफिक सुमंत्री (42वां मिनट) के गोलों की बदौलत मुकाबला 3-2 से जीत लिया। मलेशिया दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ पूल-सी में तीसरे स्थान पर आ गया है और उसकी क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। चिली अपने दोनों शुरुआती मुकाबले हारने के कारण क्वार्टरफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत तलाश रही दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की, हालांकि चिली ने पहले क्वार्टर में अधिक मौके बनाये। फिरहान अशरी ने मलेशिया के लिये सबसे पहला प्रयास किया जो गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। कुछ देर बाद मलेशिया के फॉरवर्ड खिलाड़ी ने चिली के गोलकीपर एड्रियान हेनरिकेज़ को छकाया, लेकिन उनके पीछे खड़े विसेंट गोनी ने गेंद को नेट में नहीं पहुंचने दिया। चिली को पहला क्वार्टर समाप्त होने से पूर्व एक पेनल्टी मिली जिसपर फ्रांको बेकेरा मलेशियाई रक्षण को नहीं भेद सके। अगले ही मिनट में रैमुंडो वैलेंज़ुएला के पास गोल जमाने का अवसर था मगर उनका निशाना चूक गया। वैलेंज़ुएला अपनी गलती पर सिर पकड़ बैठे और पहला क्वार्टर गोलरहित समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अमोरोसो ने गोल जमाकर चिली को आखिरकार बढ़त दिला दी। चिली को इस क्वार्टर में मैच का दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसपर अमोरोसो ने गेंद को मलेशियाई गोलकीपर की बाईं ओर से निकालकर स्कोर 1-0 कर दिया। राज़ी रहीम ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर किया, लेकिन रॉड्रिगेज़ ने तीन मिनट बाद फील्ड गोल दागकर चिली को फिर से बढ़त की स्थिति में पहुंचा दिया। मलेशिया 40वें मिनट तक कुल नौ पेनल्टी कॉर्नर बर्बाद कर चुका था। उनके पास चिली के डिफेंस को भेदने का एकमात्र तरीका फील्ड गोल था, जो उन्हें 41वें मिनट में हमसानी ने दिया। मलेशिया के अर्द्ध में खड़े हमसानी ने हवा में आती हुई गेंद को क्रिकेट की तरह 'स्कूप' कर दिया जिसे गोलकीपर एड्रियान हेनरिकेज़ नहीं रोक सके। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद मलेशिया के खेल में आक्रामकता आ गयी और अगले ही मिनट में सुमंत्री ने गोल करके उन्हें बढ़त दिला दी। चिली ने मैच खत्म होने से सात मिनट पहले एक बार फिर गेंद को नेट में पहुंचाया, हालांकि मलेशिया के रेफरल के बाद उस गोल को रद्द कर दिया गया और एशिया देश ने अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

कानराड, वाल्टर बने दक्षिण अफ्रीका के नये कोच

जोहान्सबर्ग, 16 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट टीम के लिये शुकरी कानराड और सीमित ओवर क्रिकेट के लिये रॉब वाल्टर को अपना नया मुख्य कोच नामित किया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। दक्षिण अफ्रीका के वॉल्टर ने इससे पहले राष्ट्रीय टीम के साथ कंडीशनिंग विशेषज्ञ के रूप में काम किया है। पिछले सात साल वह न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में कोचिंग से जुड़े रहे। कानराड भी दक्षिण अफ्रीका के घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहे हैं और हाल ही में वह अंडर-19 टीम के प्रभारी थे।

वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ तीन और टेस्ट खेलने है जिसके चलते कानराड के नये कार्यकाल की शुरूआत हल्के फुल्के ढंग से होगी। दक्षिण अफ्रीका 28 फरवरी को वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला खेलेगी।

दोनों कोच एक फरवरी से अपनी भूमिका निभायेंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक हनोक नक्वे ने कहा कि वाल्टर का नेतृत्व बहुत मजबूत है और उन्हे पता है कि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को कैसे आगे बढ़ाया जाये। 2027 में 50 ओवरों के क्रिकेट विश्व कप में सफलता की नींव रखना महत्वपूर्ण था, जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे मिल कर कर रहे हैं। 2027 विश्व कप जीतना जरूरी है और हमें वहां सफल होने के लिए सिस्टम बनाने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका के सभी प्रारूपों के कोच मार्क बाउचर ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गये टी20 विश्व कप में टीम की हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाउचर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि पूर्व आलराउंडर लांस क्लूजनर ने भी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच की भूमिका के लिये आवेदन किया था मगर अंतिम समय में उन्होने अपनी अर्जी वापस ले ली थी।

शेफाली के तूफान के आगे यूएई पस्त, भारत 122 रन से जीता

बेनोनी 16 जनवरी। कप्तान शेफाली वर्मा (78) और श्वेता शेरावत (74 नाबाद) के बीच 111 रन की शतकीय साझीदारी के बाद किफायती गेंदबाजी की बदौलत भारत ने टी-20 अंडर-19 महिला विश्वकप में ग्रुप डी के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को कम अनुभवी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 122 रन के विशाल अंतर से जीत हासिल की।

विलोमूरे पार्क मैदान पर भारतीय लड़कियों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट खोकर 219 रन बनाये जिसके जवाब में यूएई की टीम 20 ओवर के खेल में पांच विकेट पर 97 रन ही बना सकी। पूर्व भारतीय खिलाड़ी वीरेन्द्र सहवाग का महिला संस्करण कही जाने वाली शेफाली ने अपनी ख्याति के अनुरूप महज 34 गेंदों में 229.41 के स्ट्राइक रेट से 78 रन ठोक दिये। उनकी संक्षिप्त पारी में 12 चौके और चार छक्के शामिल थे। शेफाली का तूफान शांत होने के बाद भी श्वेता ने दूसरे छोर पर यूएई की गेंदबाजों की पिटाई जारी रखी, मगर उनको आउट करने का अस्त्र पारी के अंत तक यूएई की टीम के पास मौजूद नहीं था। श्वेता ने 49 गेंदों मे से 10 को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

बैडमिंटन के सितारे इंडिया ओपन में चमक बिखेरने को तैयार

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। बैडमिंटन की दुनिया के दिग्गज खिलाडी मंगलवार से यहां शुरू होने वाले एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन के 11वें संस्करण में अपनी चमक बिखेरेंगे।

के डी जाधव इंडोर हॉल में आठ लाख 50 हजार अमेरिकी डालर इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता डेनमार्क के विक्टर एलेक्सेन और चीन की चेन युफेई के अलावा मौजूदा महिला एकल विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची समेत 22 देशों के 242 खिलाड़ी शिरकत करेंगे।

चीन ने 22 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिये 15 पुरुष और 15 महिला खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेजा है जबकि जापानी दल में 29 खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ हेमंत बिस्वा शर्मा ने कहा, योनेक्स सनराइज इंडिया का अपग्रेडेशन सुपर 750 श्रेणी के लिए है। कोरोना प्रतिबंध के कारण यह अब तक नहीं हो सका था, मगर इस साल बैडमिंटन प्रेमियों को उच्च गुणवत्ता वाले बैडमिंटन का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। हम इसे और बड़ा बनाने के लिए पूरी मेहनत की है।

बीडब्ल्यूएफ उपाध्यक्ष, पैन एम, विष्णु टोलन ने कहा, योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2023 को सुपर 750 का दर्जा हासिल है। भारत के खिलाड़ियों ने हाल ही में कोर्ट पर उम्दा प्रदर्शन किया है। उम्मीद है कि इस हफ्ते घरेलू प्रशंसक अपने चहेते खिलाड़ियों के प्रदर्शन का पूरा मजा ले सकेंगे। हम भारत में बैडमिंटन के लिए जो अद्भुत क्षमता देखते हैं, उसका यह एक मजबूत प्रमाण है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में 19 सदस्यीय दल पर मेजबान भारत की उम्मीद टिकी होगी। थॉमस कप विजेता टीम की अगुआई विश्व में आठवें नंबर के एचएस प्रणय, मौजूदा चैम्पियन और विश्व के दसवें नंबर के लक्ष्य सेन और विश्व चैंपियनशिप में विश्व में 13वें नंबर के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत होंगे। साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी कोर्ट पर धमाल मचायेगी।

सिंधु ने कहा, इंडिया ओपन सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही खास टूर्नामेंट रहा है, पिछली बार हमें बंद दरवाजों के पीछे खेलना पड़ा था, लेकिन इस बार इंडिया ओपन पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होने जा रहा है और हम सभी इसे और भी खास बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

प्रसाद ने 'मांकडिंग' से जुड़ी टिप्पणी के लिए मार्क वॉ पर निशाना साधा

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर मार्क वॉ पर यह कहने पर कटाक्ष किया कि टीमें विकेट हासिल करने के लिए 'मांकडिंग' का इस्तेमाल 'जानबूझकर' कर रही हैं। प्रसाद ने कहा कि गेंदबाजी छोर पर गेंद फेंकने से पहले आगे निकलने वाले बल्लेबाज को वैध तरीके से आउट करना 'सबसे बदतर' चीज है।

महिला अंडर-19 विश्व कप के दौरान गेंदबाजी छोर पर खड़ी रवांडा की बल्लेबाज को गेंद फेंकने से पहले काफी आगे निकलने पर पाकिस्तान की तेज गेंदबाज जैब-उन-निसा के रन आउट करने के वीडियो पर टिप्पणी करते हुए वॉ ने ट्वीट किया, "सबसे बदतर चीज, ऐसा लगता है कि टीमें विकेट हासिल करने के लिए सोच-समझकर नियोजित तरीके से इसका इस्तेमाल कर रही हैं।"

राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को नवनियुक्त 9 जजों को एक साथ शपथ दिलाई गई। इन नियुक्तियों के साथ ही हाई कोर्ट के 50 पदों में से 35 पदों पर नियुक्ति पूर्ण हो गई हैं, जिनमें 3 महिलाएं हैं।

ए.एस.पी. दिव्या दो करोड़ की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार

एस.ओ.जी. की एडीशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को ए.सी.बी. ने सुबह अजमेर में उनके घर से गिरफ्तार किया

अजमेर, 16 जनवरी (कासं)। मादक पदार्थों की तस्करी मामले में आरोपियों को गिरफ्तारी से बचाने व केस से नाम हटाने के लिए एक दलाल के जरिये दो करोड़ रु. की रिश्वत मांगने की आरोपी एस.ओ.जी. की एडिशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को सोमवार को ए.सी.बी.ने गिरफ्तार कर लिया। ए.सी.बी. की टीम ने दिव्या मित्तल को अजमेर स्थित एक सोसायटी के फ्लैट से गिरफ्तार किया और उन्हें पकड़कर जयपुर ले गई है।

एस.एस.पी. दिव्या मित्तल पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई के बाद नाम हटाने के एवज में 2 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप है। आरोप है कि, दलाल ने उनके उदयपुर में स्थित रिसोर्ट पर पीड़ित को बुलाकर रिश्वत की मांग की और डराने-धमकाने की शिकायत पर ए.सी.बी. ने न्यायालय से आदेश प्राप्त कर एएसपी दिव्या मित्तल के 5 ठिकानों पर सोमवार को छापा मारा।

बताया जा रहा है कि ए.सी.बी. को कुछ दस्तावेज मिले हैं। इनके साथ वो दिव्या मित्तल को जयपुर रवाना हो गई है। ए.सी.बी. ने दिव्या के अजमेर स्थित एआरजी सोसायटी के फ्लैट पर, जयपुर स्थित एक फ्लैट पर, उदयपुर के सिकलवास स्थित रिसॉर्ट, चिड़ावा स्थित इनके पैतृक घर और अजमेर स्थित एसओजी के दफ्तर में रेड की कार्रवाई की है। शुरुआती पूछताछ में दिव्या मित्तल ने बताया है कि, रिश्वेत के पैसे ऊपर तक बांटे जाने वाले थे, अतः ए.सी.बी. इस मामले में उच्चाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच करेगी।

चिड़ावा में दिव्या मित्तल के माता-पिता रहते हैं। एसीबी झुंझुनूं की टीम ने सोमवार सुबह आठ बजे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एएसपी इस्माइल खान के नेतृत्व में पैतृक मकान में सर्च शुरू किया, जो अभी तक जारी है। संभावना है कि यह सर्च देर शाम तक जारी रहेगा। गौरतलब है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिव्या मित्तल का परिवार मूल रूप से हरियाणा निवासी है, लेकिन कई दशकों से उनका परिवार चिड़ावा में रहता है। ए.सी.बी. के एडिशनल एसपी बजरंग सिंह ने बताया कि एक परिवादी ए.सी.बी. मुख्यालय पर आया था। उन्होंने इस बात की सूचना दी थी कि उसके खिलाफ एक प्रकरण दर्ज होने के बाद उसमें से नाम हटाने के एवज में दो करोड़ रुपए की डिमांड की जा रही है। परिवादी ने कहा कि उसका इस मामले में कोई दोष नहीं है, उसने बताया कि जब मैं अनुसंधान अधिकारी दिव्या मित्तल के पास गया तो उन्होंने मुझसे कहा कि आप उदयपुर की तरफ रवाना हो जाओ। आपके पास एक फोन आएगा। उसके अनुसार वहां चले जाना, थोड़ी देर में निकलते ही फोन आया और उसके बाद मैं उदयपुर के लिए रवाना हो गया, वहां मुझसे दो करोड़ की मांग की गई। असमर्थता जाहिर करने पर डरा-धमकाकर एक करोड़ रुपए से कम नहीं होने की बात कही गई, यहां से लौटकर ए.सी.बी. को रिपार्ट दी।

मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में गिरफ्तारी से बचाने और केस से नाम हटाने की एवज में 2 करोड़ रु. की रिश्वत मांगने के आरोप में ए.सी.बी. की टीम ने एडिशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को गिरफ्तार कर लिया। ए.सी.बी. की टीम मामले की विस्तार से तफ्तीश करने के लिए दिव्या मित्तल को पकड़कर जयपुर ले आई।

- **आरोप है कि, दिव्या मित्तल ने एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही से नाम हटाने के लिए दो करोड़ रू. की रिश्वत मांगी थी।**
- **ए.सी.बी. को तलाशी में दिव्या के घर से कुछ दस्तावेज मिले हैं जिन्हें जब्त कर लिया गया है। ए.सी.बी. दिव्या को जयपुर ले गई है।**

बताया जा रहा है कि पीड़ित जब बाद में एएसपी के पास गया तो एक करोड़ रूपये पर बात बनी। पहली किश्त के रूप में 25 लाख वो देने वाला था और इससे पहले ही ए.सी.बी. भी अपना जाल बिछा चुकी थी तभी दलाल को भनक लग गई और वो नहीं आया, ट्रैप फेल होने के बाद ए.सी.बी. ने अदालत से वारंट लेकर कार्रवाई की।

जानकारी अनुसार मई 2021 में अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी थी। इसमें जयपुर में साढ़े पांच करोड़ और अजमेर में 11 करोड़ की दवाओं के साथ आरोपी पकड़े गए थे। इसी मामले से नाम हटाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। परिवादी ने 4 जनवरी को एसीबी से संपर्क किया था।

राजस्थान हाईकोर्ट के नौ जजों ने एक साथ शपथ ली

जोधपुर, 16 जनवरी (कासं) । राजस्थान उच्च न्यायालय में आज सुबह नौ जजों ने एक साथ पद की शपथ ली। रोचक है कि, जोधपुर की डॉ. नूपुर भाटी, जिनको सोमवार को हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ दिलाई गई, उन के पति जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी पहले से राजस्थान हाईकोर्ट में जज हैं।

ज्ञातव्य है कि, शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी कर वकील कोटे से 3 और न्यायिक अधिकारी कोटे से 6 जजों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे। इसी के साथ अब हाइकोर्ट में 50 पदों में से 35 पदों पर जजों की नियुक्ति हो गई है।

- **इसी के साथ राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 35 न्यायाधीश हो गये हैं, अब भी 15 पद रिक्त हैं।**
- **नये जजों में वकील कोटे से जज बनी नुपूर भाटी भी हैं, उनके पति पहले से हाईकोर्ट में जज हैं।**

सोमवार को सुबह राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जोधपुर में नव नियुक्त सभी 9 जजों को मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल ने शपथ दिलाई। वकील कोटे से नियुक्त जजों में जयपुर के गणेश राम मीणा, अनिल कुमार उपमन और जोधपुर की डॉ. नुपुर भाटी की नियुक्ति की गई है। जबकि, न्यायिक अधिकारी कोटे से राजेन्द्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेन्द्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार की नियुक्ति हुई है।

राजस्थान हाईकोर्ट में 35 में से अब 3 महिला जज हो गई हैं, जिनमें, वकील कोटे से जज के रूप में नियुक्त नूपुर भाटी के अलावा शुभा मेहता, रेखा बोराणा पहले से सेवाएं दे रही हैं।

मु.मंत्री के लिये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक करवाने वालों के मूल सरगना को पकड़े, ना कि छुटभैयों को, क्योंकि ऐसा ही होता लग रहा है।

मंत्री हेमा राम चौधरी ने कहा कि युवा नेताओं को राजनीति में उनका उचित स्थान दिया जाना चाहिए जो होता नहीं लग रहा है।

पायलट के करीबी नेताओं ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लाने का प्रयास होना चाहिए ताकि पार्टी 21 विधायकों तक न आ जाए जैसा गहलोत के गत कार्यकाल में हुआ था। सचिन पायलट 21 विधायकों वाली पार्टी को सत्ता में लाए पर गहलोत मुख्यमंत्री बन गए। इस समय गहलोत पद छोड़ने से मना कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते की पायलट मुख्यमंत्री बनें और गांधी परिवार का नेतृत्व इतना कमजोर है कि अशोक गहलोत का मुकाबला करने से डरता है।

मंडावर के पालोदा गांव में दो पक्ष भिड़े, फायरिंग में महिला सहित दो जनों की मौत

मंडावर,16 जनवरी (निस)। मंडावर थाना इलाके के पालोदा गांव में दो पक्षों में चली आ रही पुरानी रंजिश के कारण सोमवार को एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर फायरिंग कर दी । इस खूनी झगड़े में दूसरे पक्ष की एक महिला सहित दो लोगों की गोली लगने से मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोगों को उपचार के लिए महुवा व मण्डावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोमवार सुबह दो पक्षों के लोगों में पुरानी रंजिश के चलते कहासुनी के बाद पथराव हो गया। पथराव के बीच एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिसमे दूसरे पक्ष के हीरा लाल योगी (60) व अलका (20) पत्नी दीपराम योगी गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गये । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तथा एम्बुलेंस से गम्भीर घायलों को महुवा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वही 4 अन्य घायलों को महुवा के राजकीय अस्पताल व 3 घायलों को मंडावर के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

- **बताया जाता है कि, दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश थी। सुबह दोनों पक्षों में कहा सुनी हुई थी, उसके बाद पहले पथराव हुआ फिर एक पक्ष ने गोली चला दी।**
- **घटना की जानकारी मिलने पर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा पीड़ित पक्ष से मिलने पहुंचे तथा दोषियों को गिरफ्तार करने, मंडावर पुलिस थाने को लाइन हाजिर करने व रसीदपुर पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों को सस्पैंड करने की मांग की।**
- **जयपुर-भरतपुर स्टेट हाईवे 10 बजे से 3 बजे तक प्रभावित रहा।**

इस घटना के बाद गुस्साए पीड़ित परिवार के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस थाने के आगे जाम लगा दिया । सूचना मिलने पर राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिजनों और लोगों से जानकारी ली। डॉ. मीणा ने पीड़ित लोगों की तरफ से मांग रखी कि, मंडावर पुलिस थाने को लाइन हाजिर किया जाए, रसीदपुर पुलिस चौकी को सस्पैंड किया जाए और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि, जब तक यह मांगें नहीं मानी जाती तब तक मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम नहीं करवाया जाएगा। मामले को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन समाप्त हो किया गया है। इस दौरान एसपी संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल सहित महुवा, मानपुर के डीएसपी व जिले भर के आधा दर्जन पुलिस थानों के थाना अधिकारी मौजूद रहे।

पीड़ित पक्ष के लोगों द्वारा जयपुर भरतपुर स्टेट हाईवे पर जाम लगाने से जयपुर, भरतपुर की ओर आने, जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हुई। पीड़ित परिवार के लोग सुबह करीब 10 बजे से थाने के सामने 3 बजे तक जाम लगा कर बैठे रहे।

पारदर्शिता की आड़ में सरकार एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की।

अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट में सरकार के पत्र को खतरनाक बताया। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि, "यह बेहद खतरनाक है न्यायिक नियुक्तियों में सरकार का दखल नहीं होना चाहिए।"

अब केन्द्र ने कोलीजियम सिस्टम के कामकाज को सरल व कारगर बनाने के लिए सर्च-कम-इवैलुएशन कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा हैं। सूत्रों ने कहा कि यह पैनल कोलीजियम को जजों की नियुक्ति के लिए नामों का सुझाव देखा और उन्हें सूचीबद्ध करेगा और अंतिम फैसला कोलीजियम करेगा।

जजों की नियुक्ति पर चल रहे शब्द युद्ध में कई मंत्री मौजूदा एवं पूर्व तथा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोलीजियम सिस्टम की आलोचना की और इसे न्यायपालिका औपेक्नैस (अपारदर्शिता) की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि जजों के चयन में सरकार की भूमिका होनी चाहिए जो कि वर्ष 1993 से सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम का एकाधिकार बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोलीजियम सिस्टम का जोरदार बचाव किया है। कांग्रेस, तृणमूल और आम आदमी पार्टी जैसे दलों ने सर्वोच्च न्यायालय के रुख का समर्थन किया है।

कानून मंत्री बनने के बाद से रिजीजू ने कई बार कहा कि कोलीजियम सिस्टम संविधान को हिस्सा नहीं है और उन्होंने ऐसे हरेक सिस्टम का विरोध किया जिसमें जजों की नियुक्ति में सरकार का कोई दखल ना हो। उन्होंने नैशनल जूडिशियल अपॉइन्टमैंट कमीशन को खारिज करने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की। भाजपा नीत सरकार ने 2014 में एक कानून बनाकर एन.जे.ए.सी. बताया था। आयोग में सरकार और न्यायपालिका के प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया जाना था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भी कई मंचों पर यह बात कहीं गत सप्ताह उन्होंने न्यायिक मंचों से एक दूसरे को नीचा दिखाने और सार्वजनिक मुद्दों पर ब्यानबाजी की आलोचना की और एन.जे.ए.सी. को खारिज किए जाने के लिए उन्होंने कहा कि विश्व में ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा।

उन्होंने 1973 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की भी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है पर संविधान के मूल ढांचे में नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम कानून है जिसका पूर्णतया पालन किया जाना चाहिए। चूंकि कुछ लोग या कुछ वर्ग कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ हैं इसलिए हम इसे खत्म नहीं कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम में अभी सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ एवं जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस के.एम. जोसफ, जस्टिस एम.आर. शाह, जस्टिस अजय रस्तोगी व जस्टिस संजीव खन्ना शामिल हैं।

रिजीजू के पत्र में राज्य सरकारों की तरफदारी की गई है कि हाई कोर्ट कोलीजियम में राज्य सरकारों के प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

जापान सैन्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जापान को सैन्य ताकत बनाने की दिशा में काम करने की शपथ ली।

जापान ने इससे एक माह पहले अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने की योजना घोषित की थी अमेरिका आने से पहले कीशीदा यूरोपियन, ब्रिटिश व कैनेडियन नेताओं से उनके देशों में मिले थे।

एक समय था जब ऐसी बात सोची भी नहीं जा सकती थी क्योंकि दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान ने युद्ध नीति एकदम त्याग दी थी लेकिन परम्परावादी कई दशकों से इस प्रयास में हैं कि संविधान में शांति संबंधी प्रावधान को बदल दिया जाए और जापान की जनता भी इस रुख का समर्थन करती है असल में अगस्त में ताईवान के आसपास चीन द्वारा मिसाइले दागे जाने से जापान बहुत नाराज़ हुआ था क्योंकि इनमें से 5 मिसाइले जापान के पास गिरी थीं। यह ईस्ट चाइना सी में विवादास्पद सेन्काकू द्वीप पर चीन की गतिविधियों से भी रुष्ट है।

अमेरिका जिसे उम्मीद है कि उसके एशियाई हितों में जापान उसका माध्यम बनेगा, जापान की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पश्चिम से समर्थन मिलने के बाद कीशीदा जापान की संसद का समर्थन लेने की कोशिश करेंगे।

प्रियंका गांधी ने महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है।

उन्होंने भाजपा और उसके भ्रष्टाचार की आलोचना की तथा एक ठेकेदार द्वारा 40 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाए जाने का मुद्दा उठाया साथ ही भाजपा नेताओं द्वारा कथित तौर पर भारी-भरकम रिश्वत मांगे जाने की बात कही। भाजपा पूरा जोर लगा रही है भ्रष्टाचार के आरोपों को नकारने का, पर हाल ही ने एक भाजपा विधायक द्वारा रिश्वत मांगे जाने पार्टी के लिए मुश्किले और बढ़ गई है।

सोमवार का खटिक का ट्रैक्टर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उसने चित्रदुर्ग के विधायक थिरपा रैड्डी को 90 लाख रूपए दिए थे। प्रैस कांन्फैंस में उसने अपनी और भाजपा विधायक की वार्ता का ऑडियो टैप भी जारी किया जिससे भाजपा पर विधायक ने इन्कार कर दिया।

जनधारणा में भ्रष्टाचार के आरोपों के टिकने के आधार पर ये नवीनतम आरोप पार्टी के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। भाजपा प्रवक्ताओं के आरोपों और आरोप लगाने के समय को राजनीति से प्रेरित बताया। और कहा कि ठेकेदार है तो केस कर सकते है लोकायुक्त के पास जा सकते है।

प्रधानमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर एग्जीक्युटिव के एजेंडा को अंतिम रुप दिया।

मंगलवार को प्रधानमंत्री बैठक का समापन करेंगे और पार्टी को जीत का मंत्र देगे।

"अमर्त्य सेन की, भारत से वाकफियत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय स्तर पर अब ममता से कही अधिक है। वे दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण राज्य के साथ ही पंजाब के भी नेता हैं।

बनर्जी ने अपने पड़ोसी राज्य त्रिपुरा में एक गंभीर प्रयास किया था, किन्तु वह वहां भी अपना कोई जनाधार नहीं बना सकी। उन्होंने गोवा के विधानसभा चुनाव में चर्चिल सहित गोवा के प्रमुख नेताओं को फण्ड्स उपलब्ध करवाए थे, लेकिन शायद खुद के साथ की वजह से ममता समर्थित सभी नेताओं की जमानत जब्त हो गई थी, जनप्रतिनिधि निर्वाचित कराने की बात तो छोड़िए।

दूसरी तरफ, तेलुगु राजनेता चन्द्रशेखर राव जैसे मजबूत नेता, भी हाशिए पर आ चुकी ममता से कही अधिक महत्वपूर्ण प्लेयर हैं। ममता में वर्तमान सरकार के राष्ट्रीय विरोध की धुरी बनने का करिश्मा नहीं है।

तर्क संगत राजनीतिक दावे करने के लिए भी अन्ततः राजनीतिक गणित की भूमिका प्रमुख होती है। वास्तविकता यह है कि मजबूत जनाधार ना रखने वाले वैकल्पिक प्रधानमंत्रियों का अल्प राजनीतिक जीवन यह दर्शा चुका है कि कोई गतिरोध ऐसे दावेदार की प्रतीक्षा कर सकता है। सेन ने अपने बयानों में अक्सर सार्वजनिक जीवन में सच्चाई व शुचिता बनाए रखने की बात की जाती है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार समाज की अन्तर्निहित कार्यकुशलता को खोखला कर देता है। उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा समय-समय पर किए गए भारी भ्रष्टाचार ने बंगाल के लोगों को सर्वाधिक आहत किया है। टी.एम.सी.के. राजनेताओं द्वारा की गई संगठनात्मक आपराधिक लूट से सबसे गरीब और सबसे कमजोर तबका सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। ममता बनर्जी ने इस सबके प्रति अपनी आंखे मूंद रखी हैं, हालांकि उन्होंने समय-समय दिए अपने बयानों में भ्रष्टाचारियों का कड़ा विरोध किया है। बनर्जी के एक दशक से अधिक लम्बे शासन में बंगाल की अर्थव्यवस्था और गरीबी में चली गई है। शेष भारत ने जहां निवेश आकर्षित किए, वहीं बंगाल ने निवेश लाने की सिर्फ बातें ही की, लेकिन धरातल पर कुछ भी फलीभूत नहीं हुआ।

बंगाल के युवक और युवतियां रोजगार की तलाश ही राज्य छोड़ रहे हैं। बैंग्लोर, हैदराबाद और पुणे ने नौकरियों की तलाश में लगे इन लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। वहां नए निवेश एवं उद्योग भी आए हैं।

'91 नहीं मात्र 81 विधायकों ने ही इस्तीफे दिए थे'

राजस्थान हाई कोर्ट में इस्तीफों के मामले पर दायर याचिका की सुनवाई में विधानसभा के प्रमुख सचिव ने बताया

जयपुर,16 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को कांग्रेस विधायकों द्वारा दिए गए इस्तीफों के मामले में विधानसभा के प्रमुख सचिव ने अपना जवाब पेश किया, जिसमें कहा गया है कि, 91 विधायकों ने नहीं बल्कि 81 विधायकों ने इस्तीफे दिए थे। इनमें भी पांच विधायकों के इस्तीफों की फोटो कॉपी पेश की गई थी। इसके अलावा छह विधायकों ने पेश होकर ये इस्तीफे प्रस्तुत किए थे। जवाब में आगे कहा गया है कि, विधायकों ने व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपने इस्तीफे वापस लिए हैं और नियम 173 (4) के तहत विधायक अपना इस्तीफा वापस ले सकते हैं। इसके अलावा अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि, महाधिवक्ता विधानसभा की ओर से भी पक्ष रख सकते हैं। स्पीकर ने गत 13 जनवरी को इन इस्तीफों को अस्वीकार कर दिया था। इसलिए याचिका को खारिज किया जाए।

जवाब पेश करने से पहले सुनवाई के दौरान विधानसभा सचिव की ओर से महाधिवक्ता ने कहा कि वे आज ही मामले में जवाब पेश कर देंगे। इस पर जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस सीके सोनगरा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता राजेन्द्र सिंह राठौड़ को कहा कि वे चाहे तो पेश होने वाले जवाब पर अपना प्रतिजवाब भी पेश कर सकते हैं। इसके साथ ही अदालत ने जनहित याचिका पर बीस जनवरी तक सुनवाई टाल दी। दरअसल गत सुनवाई को खंडपीठ ने महाधिवक्ता को कहा था कि वे अगली सुनवाई पर स्पीकर से पूछकर बताएं कि विधायकों के इस्तीफों पर कब तक निर्णय कर लेंगे। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से यह भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी कि महाधिवक्ता विधानसभा की ओर से पैरवी नहीं कर सकते हैं। याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस के 91 विधायकों ने गत 25 सितंबर को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे सौंपे थे। उसके बाद 18 व 19 अक्टूबर और 12 व 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफे पर निर्णय करने का आग्रह किया था। याचिका में कहा गया था कि इसके बावजूद भी स्पीकर ने अब तक इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। याचिका में कहा गया कि "यदि कोई विधायक इस्तीफा स्वयं पेश करता है तो विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के तहत स्पीकर के पास इस्तीफा स्वीकार करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होता। इस्तीफे के स्वैच्छिक और वास्तविक होने के संबंध में ही जांच की जा सकती है। याचिका में यह भी कहा गया कि यह असंभव है कि इतनी बड़ी संख्या में विधायकों से जबरन इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवाए गए हो या उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए हों। विधायकों के इस्तीफों के चलते सरकार सदन में अपना विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद भी इस्तीफा देने वाले मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद सहित अन्य सरकारी बैठक में शामिल हो रहे हैं।" याचिका में भी गुहार की गई थी कि इस्तीफा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और बतौर विधायक इनका विधानसभा में प्रवेश से रोका जाए।

- **विधानसभा के प्रमुख सचिव ने बताया कि 81 विधायकों ने ही इस्तीफे दिए थे और इनमें से भी 5 के इस्तीफों की फोटो कॉपी पेश की गई थी।**
- **उन्होंने अदालत को जानकारी दी कि, नियम 173 (4) के तहत विधायक इस्तीफा वापस ले सकते हैं, उन्होंने यह भी कहा कि, महाधिवक्ता कोर्ट में विधानसभा का पक्ष रख सकते है।**
- **ज्ञातव्य है कि, सितम्बर 2022 में गहलोत समर्थक विधायकों ने इस्तीफे दिये थे, जिन पर लम्बे समय तक कोई फैसला नहीं होने के कारण भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने अदालत में याचिका दायर की थी।**

एक पक्षकार के रुप में स्वयं पैरवी करते हुए उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि "राज्य की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले सत्तारुढ़ दल के त्यागपत्र वीर विधायकों ने संविधान का मखौल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पहले त्याग पत्र देना और फिर विधायकी जाने के भय से त्याग पत्र वापिस लेने से यह प्रमाणित होता है कि निजी स्वार्थों के लिए सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने लोकतंत्र व संविधान का सरासर अपमान किया है। संविधान के आर्टिकल 190 (3) में विधायकों द्वारा सीट से त्याग पत्र देने का प्रावधान है पर उसे वापिस लेने का नहीं। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की साढ़े 7 करोड़ जनता के मन-मस्तिष्क में 25 सितंबर 2022 का घटनाक्रम आज भी अमिट छाप की तरह ताजा है क्योंकि राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब 91 माननीय विधायकों जिसमें मंत्री भी शामिल थे, ने अपने अपने क्षेत्रों की जनता के विश्वास को ठुकराते हुए सार्वजनिक तौर पर इस्तीफे दिये। टीवी चैनलों के कैमरों के सामने बस में भर भर कर अध्यक्ष महोदय के निवास पर ले जाए गए इन सदस्यों के इस्तीफ़े अब मात्र 6 विधायकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने की आश्चर्य जनक कहानी सामने लायी गयी है। ना तो इस्तीफ़े ख़ारिज करने की दिनांक बतायी गयी है, और ना ही इस्तीफ़े देने वाले त्यागपत्र वीरों के नाम उजागर किए गये है। 110 दिनों तक वे सभी सदस्य निर्बाध वेतन-भत्ते व अन्य सुविधाएं उठाते रहे, विधायक विकास कोष से स्वीकृतियां जारी की, तबादला करवाए और आज भी संवैधानिक पदों पर आसीन है। उसके उपरान्त अब जब इस्तीफे वापिस ले लिये हैं तो ऐसे विधायकों व मंत्रियों का नैतिक दायित्व है कि वे त्याग पत्र देने व वापिस लेने की अवधि के मध्य तमाम प्राप्त की गई सरकारी सुविधाओं की राशि पुनः राजकोष में जमा कराएं और जो नीतिगत निर्णय लिये गये हैं उन्हें वापिस लिया जायें और सार्वजनिक रूप से ऐसे समस्त सदस्य जनता से माफी मांगें।" राठौड़ ने कहा कि, "यह मामला संवैधानिक प्रक्रिया के गंभीरतम दुरुपयोग का मामला है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद जिस प्रकार के टालू क़िस्म के जवाब शपथ पत्र में दिए गए है, उनके सम्बंध में सम्पूर्ण क़ानूनी स्थिति का अध्ययन कर और क़ानूनी सलाह ले कर मैं अपनी ओर से कोर्ट में रिजोईंडर पेश करूँगा।"

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908